जुलाई (द्वितीय) 2025 | ₹45.00

चंपक



गलती बताएं

इस पिक्चर में कुछ चीजें सही नहीं हैं. उन्हें ढूंढ़ें.



चंपक

जुलाई (द्वितीय) 2025 अंक : 1314

संस्थापक
विश्वनाथ
1917–2002

सुनो कहानी



मन बहलाओ





चित्र कथाएं

विशेष पृष्ठ





क्या आप वापस स्कूल जा रहे हैं? स्कूल में आप का पहला दिन कैसा हो, यह जानने के लिए हमारे पास पहेलियां, क्राफिल और मजेदार खेल हैं, चीजें हमेशा बदलती हैं, जैसा अश्विन और मीनू के साथ हुआ, लेकिन आप चिंता न करें.

संपादक व प्रकाशक ● परेश नाथ

संपादकीय, विज्ञापन व प्रकाशन कार्यालयः
दिल्ली प्रैस भवन, ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी रोड़, नई दिल्ली-110055 फोनः 41398888.

ग्राहक बनने के लिए संपर्क करेंः
subscription @ delhipress.in

सदस्यता शुल्क आप मनीआर्डर/बैंक ड्राफ्ट और चैक द्वारा दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी रोड़, नई दिल्ली- 110055 के नाम भेज सकते हैं.
फोनः 41398888. एक्स. नं.119
मोबाइल/एसएमएस/व्हाट्सऐपः 08588843408

अपनी कहानी, कविता, ड्राइंग्स तथा क्राफ्ट्स
writetochampak@delhipress.in या
एसएमएस/व्हाट्सऐप 7042531377 पर भेज सकते हैं :

निमंत्रणों व प्रेस सूचनाओं के लिए :
invites.pressrelease@delhipress.biz

संपादक के नाम :
champak.editor@delhipress.in

@champakmagazine
champakmagazine
@champakworld

अहमदाबादः 9824077586, 079-26577845
बैंगलुरुः 9900024662,, 9901773546, 080-42013076
भोपालः 8878051087, 0755-2759853
चेन्नईः 044-28413161/32994005/28554448
जयपुरः 9413460306, 0141-13618515
कोलकाताः 9903382415,033-40707193
कोच्चिः 0484-2371537
लखनऊः 9565009602, 0522 4045544
मुंबईः 9833151545, 022-24122661/43473050
नई दिल्लीः 8588843408, 011-41398888 एक्स. नं.119
पटनाः 9631576410, 0612-2323840
सिकंदराबादः 040-27896947/27841596

दिल्ली प्रैस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशन एवं मुद्रक परेशनाथ द्वारा ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित एवं पीएस पीसी प्रैस प्राइवेट लिमिटेड डीएलएफ - 50, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा - 121003 से मुद्रित.

एक प्रति रु. 45.00 (बिना सीडी के), वार्षिक रु. 1248. (भारत में)

सोच बदल गई

कहानी ● सर्वमित्रा



अश्विन के लिए स्कूल का पहला दिन बहुत डरावना रहा. उस ने इस नए स्कूल में गर्मियों की छुट्टियों से ठीक तीन महीने पहले ही एडमिशन लिया था. यह एक अंतर विद्यालय स्थानांतरण था और इसलिए वह शैक्षणिक वर्ष के बीच में स्थानांतरित हो कर आया था. कोई दोस्त न होने के कारण वह खुद को अपने इस नए स्कूल में बिलकुल अकेला महसूस कर रहा था. हर किसी के पास पहले से ही दोस्त थे और जब भी अश्विन ने उन के साथ जुड़ने की कोशिश की तो किसी न किसी तरह से वह हंसी का पात्र बन गया. उन असफल प्रयासों के साथ वह एक घोंघे की तरह हो गया, जो अपने खोल में खुश रहता है.

अब अश्विन ने खुद को दीवार से चिपका लिया और वौलपेपर का हिस्सा बनने को तैयार हो गया.

''तो विद्यार्थियो, गरमी की छुट्टियों में तुम क्या कर रहे थे?'' क्लास टीचर ने डरावना सवाल पूछा. अश्विन को इस बात का डर था उसे पता था कि उस का जवाब सुन कर लोग हंसेंगे. यह भयानक सवाल था. वह उन के बीच अयोग्य होने की वजह से गुमनाम हो रहा था.

उस ने खुद से वादा किया कि वह दोस्त बनाने की कोशिश करेगा, लेकिन उस के अजीब जवाब के बाद उसे यकीन हो गया कि अब कोई भी उस के आसपास नहीं रहना चाहेगा.



अश्विन ने प्रार्थना की कि उत्तर देने की बारी आने से पहले समय समाप्त हो जाए. उस ने अपनी घड़ी देखी. 'वाह, बस एक मिनट और' उस ने सोचा और उस के होंठों पर मुसकान छा गई.

''अश्विन,'' टीचर की आवाज गूंजी. ''तुम्हारे चेहरे की मुसकान से पता

चलता है कि तुम ने अपनी छुट्टियां खूब एंजौय कीं. तुम कहां गए थे?''



'उफ, मैं क्यों मुसकराया? मैं बरबाद हो गया. मैं इस साल भी क्लास में हंसी का पात्र बनने जा रहा हूं,' अश्विन ने निराश हो कर सोचा.

''ट्रिंग ट्रिंग,'' स्कूल की घंटी बजती.

'बच गया,' अश्विन ने खुद से कहा और राहत की सांस ली, लेकिन उसे नहीं पता था कि यह सब बहुत जल्दी हो गया था.

''ठीक है, हम कल सब से पहले अश्विन की यात्रा के बारे में सुनेंगे,'' टीचर ने कहा.

अश्विन ने मन ही मन सोचते हुए कहा, 'उस के साथ ऐसा क्यों हो रहा था?'

अगले दिन अश्विन अपने बिस्तर पर लेटा हुआ था. ''मां,'' उस ने पुकारा, ''मैं स्कूल नहीं जा रहा हूं,'' अश्विन ने अपना पेट पकड़ लिया. ''मेरे पेट में दर्द है.'' अश्विन को लगा कि उस की योजना बढ़िया है. टीचर किसी भी तरह से 'छुट्टियों में क्या हुआ' विषय को दूसरे दिन तक नहीं पूछेंगी.

''अरे, मैं ने नाश्ते में तुम्हारा पसंदीदा पोंगलसांभर बनाया है और साथ ही रागी केक भी बनाया है, जिसे तुम अपने सहपाठियों के साथ बांटना चाहते थे.''

यह दोगनी फायदे की बात थी. अश्विन ने कुछ दोस्तों को अपनी मां के स्वादिष्ठ रागी केक से लुभाने की योजना बनाई थी. वह कुछ मिनट के लिए अपने कमरे में रुका, लेकिन वह उतना ही कर पाया, जितना वह मैनेज कर सकता था. मुंह में पानी लाने वाले सांभर की खुशबू ने उसे अदृश्य विचार से बाहर खींच लिया. उस के पास कहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, ''मां, मुझे लगता है कि मैं खुद को संभाल सकता हूं. अब दर्द कम है. मैं स्कूल जाऊंगा.'' अश्विन ने अपना नाश्ता किया, पल भर में वह स्कूल न जाने के डर को भूल गया.

अश्विन खुद को घसीटता हुआ स्कूल पहुंचा. राघव ने नैनीताल घूमने का जिक्र किया था. अनुषा लंदन में अपने रिश्तेदारों के पास रहने गई थी. सौरभ एक शानदार क्रूज पर गया था. करण अंडमान गया था जबकि रेशमा गोवा के समुद्रतटों पर मौजमस्ती करने गई थी.

'मैं पहाड़ों पर गया था... उह... ऊटी? शायद शिमला,' अश्विन ने खुद से ऊंची आवाज में कहा. उस के कानों को यह झूठ लग रहा था. वह कभी भी इतना खुल कर झूठ नहीं बोल सकता था. उसे एक और अकेला साल गुजारना था. अब उस की एकमात्र उम्मीद यही थी कि क्लास टीचर इस सवाल को भूल जाएंगी, लेकिन उसे निराशा हुई जब टीचर ने क्लास में आते ही अश्विन से सवाल पूछ लिया.

''तुम ने छुट्टियों में क्या किया, अश्विन?''

''मैं... मैं... मैं अपने खेतों में गया था.''





''खेत यानी फार्म पर?'' टीचर ने पूछा.

''हां, मैम.'' अश्विन अपने सहपाठियों को खुद पर खिलखिला कर हंसते और उपहास करते सुन सकता था.

''और तुम ने वहां क्या किया?'' मैम ने अश्विन की स्थिति को समझे बिना ही पूछना जारी रखा.

''मैं ने अपने दादादादी की मदद की. उन के पास कुछ गायें और भैंस हैं. उन का एक बड़ा सा सब्जी का बगीचा भी है.''

''क्या ऐसा है? यह सुन कर बहुत अच्छा लगा. क्या तुम ने पशुओं के बारे में जानकारी हासिल की है?''

''हां, मैम,'' अश्विन ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया.

''गायपालक, गायपालक, गायपालक,'' अश्विन को पीछे से आ रही धीमी आवाज सुनाई दे रही थी.

''ओह, साथ ही अश्विन ने गाय का गोबर भी साफ करना सीख लिया होगा,'' क्लास का बदमाश प्रजन बीच में बोला.

अश्विन ने अपना सिर झुका लिया. हंसी का पात्र बनने का उस का डर तेजी से हकीकत में बदल रहा था.

''छात्रो, यह कोई हंसीमजाक की बात नहीं है. अश्विन, क्या तुम हमें बता सकते हो कि तुम ने अपने खेत में समय कैसे बिताया?'' मैम ने उस से पूछा.

अश्विन ने नई ऊर्जा के साथ सिर हिलाया. ''मैं सुबह मुर्गे



मुर्गियों की तरह ठीक उसी समय जब सूरज उगता है, जल्दी उठ जाता था. मेरी दादीजी मुझे रागी और छाछ से बना ठंडा पेय देती थीं. वह पीने के बाद मैं अपने दादाजी के साथ गौशाला जाता था. हम पशुओं का दूध निकालने, उन की सफाई करने और उन्हें नहलाने का काम देखते थे. मेरे दादाजी के खेत में काम करने वाले रघु काका अपने दोपहिया वाहन पर दूध लेने और उसे बेचने आते थे.''

''वहां से हम सब्जी वाले खेत में जाते थे. दादाजी खरपतवार या कीड़ों की जांच करते थे, जबकि मैं बगीचे में पानी डालता था. फिर हम नहाते थे और मेरी दादीजी और हम रसोई में रसोइया द्वारा पकाया गया शानदार भोजन करते थे,'' अश्विन ने रुक कर अपने सहपाठियों की ओर देखा.

''भोजन के लिए सभी सब्जियां हमारे बगीचे से आती थीं,'' उस ने आगे बोलने से पहले गर्व से घोषणा की. ''मेरी दादीजी एक बेहतरीन रसोइया हैं.'' अश्विन ने अपना पेट सहलाया. उस की टिप्पणी और हावभाव पर उस की क्लास में हल्की हंसी फूट पड़ी.

''फिर, दादाजी अखबार पढ़ते और थोड़ी देर झपकी लेते. मैं अपने घर के पीछे बगीचे में इधरउधर घूमता रहता, अमरूद और आम के पेड़ों पर चढ़ता. मैं ने अपने 6 साल के पड़ोसी के लिए एक पुरानी लकड़ी की तख्ती से झूला भी बनाया, उसे झूला झूलना बहुत पसंद था. दोपहर में दूध पीने के बाद हम बगीचे में जा कर उस की देखभाल करते. दादीजी भी हमारे साथ जाती थीं. उन का फूलों का बगीचा भी था और मैं फूलों को तोड़ने और उन्हें धागे में पिरोने में उन का मदद करता था. फिर खेत में काम करने वाले लोग फिर से गायों का दूध निकालते, जबकि दादाजी और मैं देखते रहते और फिर हम कभीकभी खुली हवा में तारों की छांव में खाना खाते और सोते.''

''वाह, बहुत रोचक लगता है.'' फिर टीचर ने कक्षा की ओर देखा. ''अश्विन, यह जान कर बहुत अच्छा लगा कि तुम अपने दादादादी के साथ खेत में जीवन का आनंद ले पाए.''



अश्विन ने हैरानी से ऊपर देखा. उस ने खेत पर बिताए अपने समय को रोमांचक या आशीर्वाद के रूप में नहीं सोचा था, लेकिन जब उस ने पीछे के बिताए समय के बारे में सोचा, तो उसे प्रकृति के बीच रहने का एक अद्‌भुत समय मिला था. उस ने इस का भरपूर आनंद उठाया.

''मेरी एक विनती है.'' टीचर के शब्दों ने अश्विन को उलझन में डाल दिया. ''तुम्हारा खेत कहां है?''

''यह शहर से दो घंटे की दूरी पर है, मैम,'' अश्विन ने उत्तर दिया, उसे समझ में नहीं आ रहा था कि टीचर के प्रश्न का मतलब क्या है.

''अच्छा, क्या तुम अपने दादादादी से पूछ सकते हो कि हम इस साल उन के खेत का क्लास टूर कर सकते हैं? यह हम सभी के लिए एक अमूल्य अनुभव होगा.''

अश्विन ने जोर से अपना सिर हिलाया.

क्लास के बाद उस के सहपाठियों ने उसे घेर लिया.

''क्या तुम्हारे खेत में कुआं था? क्या तुम उस से पानी निकालते थे?''

''खुले आसमान के नीचे तारों की छांव में सोना कैसा लगता है?''

''क्या तुम्हारे फार्म से मिलने वाले दूध का स्वाद पैकेट के दूध से अलग है?''

''तुम्हारे खेत में और कौन से जानवर हैं?''

''क्या तुम बगीचे में सब्जियां तोड़ने गए?''

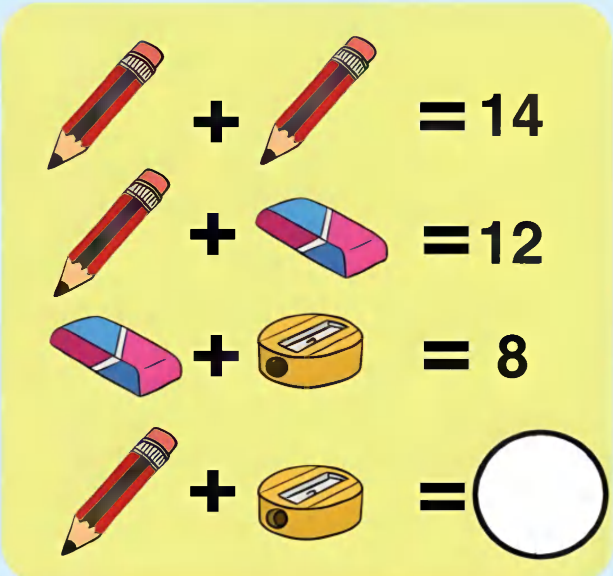
प्रश्न अंतहीन थे और अश्विन ने धैर्यपूर्वक उन सभी के उत्तर दिए.

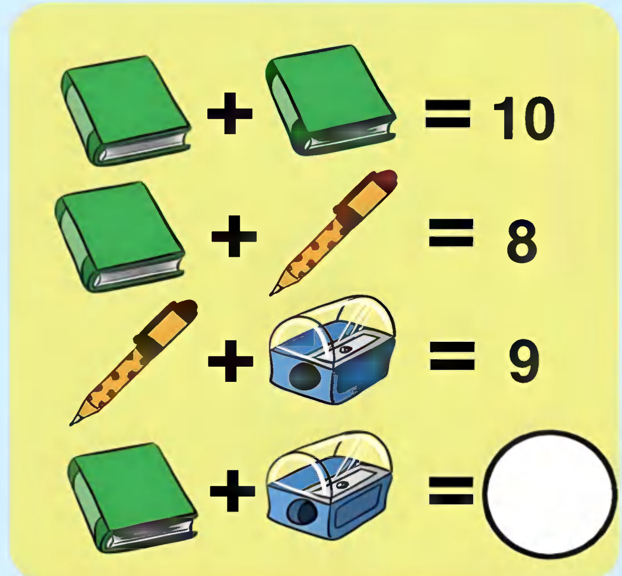
इस भयावह सवाल ने एक समस्या खड़ी कर दी थी. एक नई समस्या. अश्विन के पास बांटने के लिए केक के केवल पांच टुकड़े थे. लेकिन अब उस की पूरी कक्षा उस के साथ दोस्ती करना चाहती थी. वह केक किस के साथ बांटेगा? उस की गरमी की छुट्टियों ने वास्तव में उस के लिए हालात बदल दिए थे. ●

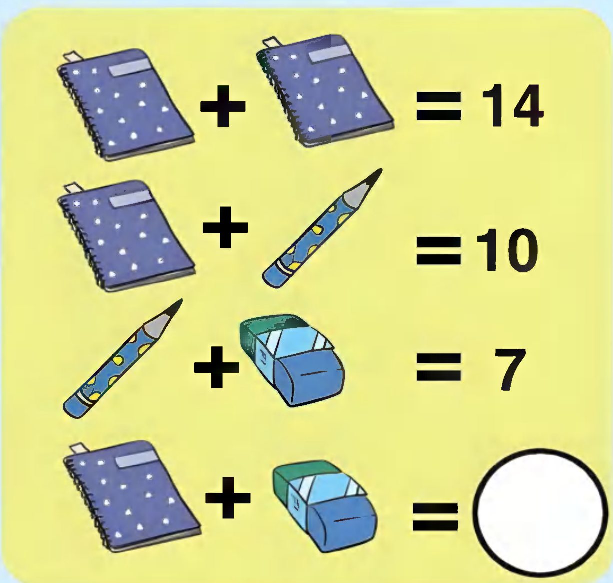


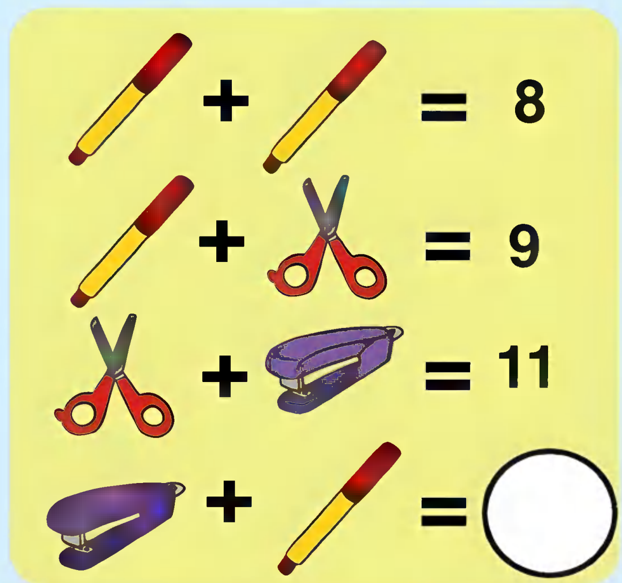
गणित से स्कूल तक

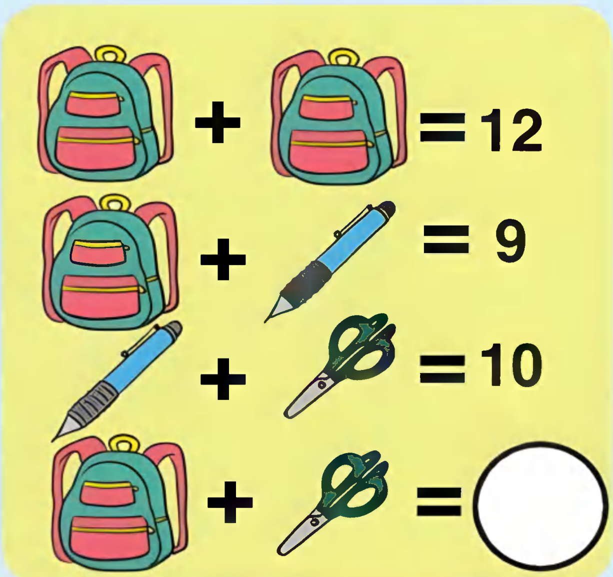
हल करें और उत्तर बॉक्स में लिखें.

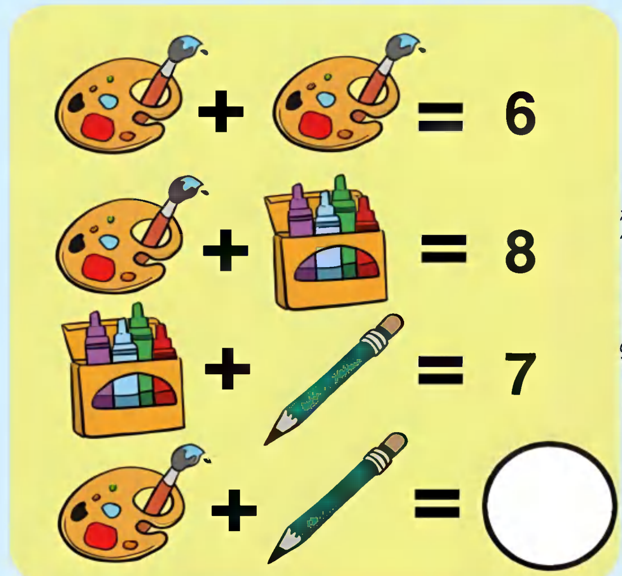












उत्तर अंतिम पृष्ठ पर देखें.





देखो हंस न देना

हाहाहा हाहाहा हीहीही हीहीही

केशव (पवन से) : त्रिभुज ने वृत्त से क्या कहा?
पवन : तुम बेकार हो.

श्रीअर्जित कुंभार, 10 वर्ष,
अहमदाबाद

मोनू (सोनू से) : बिल्ली का पसंदीदा रंग क्या है?
सोनू : पर्र...पल.

दिवा त्रिवेदी, 8 वर्ष,
फिलाडेल्फिया, अमेरिका

पिंटू (सीटू से) : भाषण देने से पहले क्या आवश्यक है?
सीटू : कौन्फि-डांस.

वर्षाणा, 10 वर्ष,
चैन्नई

कमल (विमल से) : बिना दांत वाले भालू को क्या कहते हैं?
विमल : चिपचिपा भालू.

आराध्य बिदासरिया, 11 वर्ष,
पटना

दो दोस्त, रोहन और राजू, जंगल के किनारे डेरा डालने गए थे. पास में ही एक घर था. दोनों आधी रात को जाग गए.
राजू : क्या समय हो गया है?
रोहन : बस पूरी ताकत से चिल्लाओ.
राजू : लेकिन क्यों?
रोहन : बस, तुम सिर्फ ऐसा करो.
दोनों चिल्लाने लगते हैं.
घर में मौजूद व्यक्ति : तुम रात के तीन बजे क्यों चिल्ला रहे हो?
रोहन : ताकि आप वहां जा सको.

अंशी मेहता, 8 वर्ष,
वडोदरा

श्लोक (अयान से) : अमेरिका में रहने वाली मधुमक्खी को तुम क्या कहते हो?
अयान : अमेरिकी मधुमक्खी.

श्लोक खंडेलवाल, 10 वर्ष,
आगरा

मीठी (टूटू से) : टूटू दीदी, जब कोई मैन यानी आदमी जा रहा हो तो हम उसे क्या कहते हैं?
टूटू : उम्म... मुझे सोचने दो.
मीठी : क्या मुझे यह कहना चाहिए?
टूटू : वन मैंगो (मैन गो).

मीठी और टूटू, 5 और 10 वर्ष,
रांची

शिक्षक (छात्र से) : तुम देर से क्यों आए?
छात्र : सड़क पर लगे साइन बोर्ड के कारण.
शिक्षक : किस तरह का साइन बोर्ड?
छात्र : वह साइन बोर्ड जिस पर लिखा है, ''आगे स्कूल है, धीरे चलो.''

प्रांशु अग्रवाल, 8 वर्ष,
श्रीगंगानगर

अंगद (अदिति से) : कुत्ते का पालतू कौन सा जानवर हो सकता है?
अदिति : मुझे नहीं मालूम.
अंगद : पालतू पिल्ला.

आद्विका, 13 वर्ष,
जयपुर

किट्टू (रितु से) : मैं पंख की तरह हल्का हूं, फिर भी सब से शक्तिशाली व्यक्ति मुझे एक मिनट से अधिक नहीं पकड़ सकता. मैं क्या हूं?
रितु : सांस.

शुभानी, 8 वर्ष,
पंजाब

टिंकू (मिंकू से) : अगर काफी सारा लाल मिर्चपाउडर को डिश में डालोगे तो क्या होगा?
मिंकू : मुझे नहीं पता.
टिंकू : बहुत आसान है, यह लाल पकवान हो जाएगा.

नवांश कुमार, 12 वर्ष,
बिहार

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:
चंपक, दिल्ली प्रेस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई - 400031
ईमेल : writetochampak@delhipress.in
और SMS: 8657402248
औनलाइन विजिट करें :
www.facebook.com/ChampakMagazine
https://www.youtube.com/ChampakSciQ






डमरू और नमक
कहानी ● शिवेश श्रीवास्तव
डमरू ने जंगल की सब से अच्छी शेफ एलिना लोमड़ी के यहां काम करना शुरू किया.
क्यों, मैम?
डमरू, शाम को कुछ खास मेहमान आ रहे हैं. हमें अच्छा खाना तैयार करना है.
मेरी उन के साथ व्यापार संबंधी बड़ी डील है और यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि मेरा भोजन कितना अच्छा है.
ठीक है मैम.
सभी डिश टेबल पर लगा दो और एक तरफ अतिरिक्त नमक भी रखना. कुछ लोग ऊपर से नमक डालना पसंद करते हैं.
ओह, तो ऐसा है.
बाद में एलिना अपने मेहमानों क्रिस हाथी, सिम बंदर और गैबी भालू का स्वागत करने में व्यस्त हो गई.
जैसे ही सब ने अपने लिए खाना परोसना शुरू किया और पहला निवाला लिया, वे चौंके और तुरंत उन्होंने खाना बंद कर दिया.
पूरा भोजन में सिर्फ नमक ही नमक है और इसे जंगल की सब से अच्छी शेफ माना जाता है? यह तो हास्यास्पद है. हम जा रहे हैं.
डमरू, ये कैसे हुआ?
मैम, मैं ने सारे खाने के ऊपर नमक छिड़क दिया.
तुम्हें ऐसा करने को किस ने कहा था?
आप ने ही तो कहा था कि कुछ लोग जरूरत पड़ने पर ऊपर से नमक डालते हैं, इसलिए मैं ने पहले ही नमक डाल दिया.
मेरा मतलब था कि यदि कोई मेहमान जरूरत पड़ने पर ऊपर से नमक डालना चाहे तो डाल सकता है, लेकिन परोसने वाला नहीं.
तो फिर यह बात आप को पहले ही बता देनी चाहिए थी.
और अब तुम मेरे घावों पर भी नमक रगड़ रहे हो? चले जाओ यहां से.
SONAL



मिक्की का जन्मदिन

कहानी ● अमलान होम चौधरी

''मिक्की, जंगल में ज्यादा दूर वन अधिकारी के बंगले के पास मत जाना. मनुष्य तुम्हें पकड़ सकते हैं और सर्कस वालों को बेच सकते हैं. हम बाघों को उन से दूर रहना चाहिए. यह बात हमेशा ध्यान में रखना.''

''ठीक है, मां,'' अब 5 महीने की हो चुकी मिक्की ने अपनी मां टाइगर मिकी की चेतावनियों का जवाब दिया. लेकिन वह हमेशा वन अधिकारी के बंगले के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहती थी, जहां एक 7 साल की छोटी बच्ची अपने वन अधिकारी पिता और मां के साथ रहती थी. उस का नाम चिक्की था.

मिक्की ने उसे झाड़ियों के पीछे से खेलते हुए देखा. हालांकि वह चिक्की के साथ खेलना चाहती थी, लेकिन वह जानती थी कि उस के मातापिता कभी भी इंसानों के साथ दोस्ती की इजाजत नहीं देंगे.

मध्य प्रदेश के सिवनी में पेंच नेशनल पार्क में वन नियमों के अनुसार जानवरों को इंसानों से दूर रहना चाहिए. उन्हें कभी भी गांवों के पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि अतीत में शिकार के दौरान बड़ी संख्या में जानवरों को मारा या सर्कस वालों को बेच दिया जाता था.

चेतावनी के बावजूद मिक्की धीरेधीरे वन अधिकारी के बंगले की ओर बढ़ गई.

शाम हो चुकी थी. उस ने बंगले की खिड़की से रोशनी आती देखी. कुछ लोग गा रहे थे, ''हैप्पी बर्थडे टू यू, चिक्की.''

बंगले में क्या हो रहा था? उत्सुक मिक्की धीरेधीरे पीछे की खिड़की की ओर चली गई. अपनी नन्हीं टांगों पर खड़ी हो कर उस ने देखा कि चिक्की ने एक नई चमकदार लाल पोशाक पहन रखी थी और वह एक मेज के पास खड़ी थी, जिस के चारों ओर बहुत सारे बच्चे और उन के पैरेंट्स थे. मेज पर एक केक रखा था. चिक्की ने केक काटा और अपने दोस्तों को उसे दिया.

मिक्की हैरान थी. उसे आश्चर्य हुआ कि इंसानों के बच्चे अपना जन्मदिन क्यों मनाते हैं, जबकि बाघ शावक कभी नहीं मनाते. उसे इंसानों के बच्चे की मौजमस्ती पसंद थी.

घर लौटते समय मिक्की को अचानक लौंग टेल नामक एक बूढ़ा बंदर दिखाई दिया, जिसे सिवनी के जंगल में सब से ज्यादा पढ़ालिखा और जानकार माना जाता था. वह इंसानों के बारे में बहुत कुछ जानता था. वह उन के घरों की छत पर बैठ कर उन्हें देखता रहता था. कभीकभी वह खाना चुराने के लिए उन की रसोई में भी घुस जाता था.

''जन्मदिन क्या होता है, लौंग टेल?'' मिक्की ने उस से पूछा.

''इंसान के बच्चे अपने जन्मदिन को नाचगा और केक खा कर मनाते हैं.''

''ओह, यह तो अद्‍भुत है. क्या मैं अपना जन्मदिन नहीं मना सकता?''

''मुझे शक है कि मैक, तुम्हारे पिता इस की परमीशन देंगे. हम जानवरों में जन्मदिन मनाने की परंपरा नहीं है.''

''ओह, यह तो दुखद है, बहुत बुरा हुआ,'' यह कहते हुए, मिक्की जंगल में एक गुफा में स्थित अपने घर की ओर चलने लगी.

रात्रि भोजन के दौरान मिक्की ने अपनी मां से कहा कि वह अपना जन्मदिन चिक्की की तरह मनाना चाहती है.

मां बाघिन मुक्की भी यह जानने को उत्सुक थी कि जन्मदिन का जश्न क्या होता है, उस ने दुखी मन से मिक्की से कहा, ''लेकिन हम बाघ यह नहीं जानते कि इसे कैसे मनाया जाता है.''

''यह कोई समस्या नहीं है. हम चिक्की से मिल



सकते हैं और उस से अपने घर में मेरी जन्मदिन की पार्टी आयोजित करने के लिए कह सकते हैं,'' मिक्की ने कहा.

डैडी टाइगर मैक और मां टाइगर मुक्की पहले तो चिक्की के घर का दरवाजा खटखटाने के विचार से सहमत नहीं थे, लेकिन अंततः वे राजी हो गए.

मैक ने लौंग टेल से अनुरोध किया कि वह उन्हें चिक्की के घर तक ले जाए.

अगली सुबह वे सभी चिक्की के बंगले पर गए और दरवाजा खटखटाया.

दरवाजा खोलते ही छोटी चिक्की तीन बाघों को देख कर डर गई, लेकिन चिक्की लौंग टेल को जानती थी, इसलिए उस ने उस से पूछा कि वह क्यों आया है.

''बच्ची, उन का तुम्हें नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है. मिक्की के लिए जन्मदिन की पार्टी आयोजित करने के लिए उन्हें तुम्हारी मदद चाहिए,'' लौंग टेल ने उसे आश्वासन दिया.

मिक्की चिक्की को देख कर मुसकराई और उस ने अपने मातापिता का परिचय कराया.

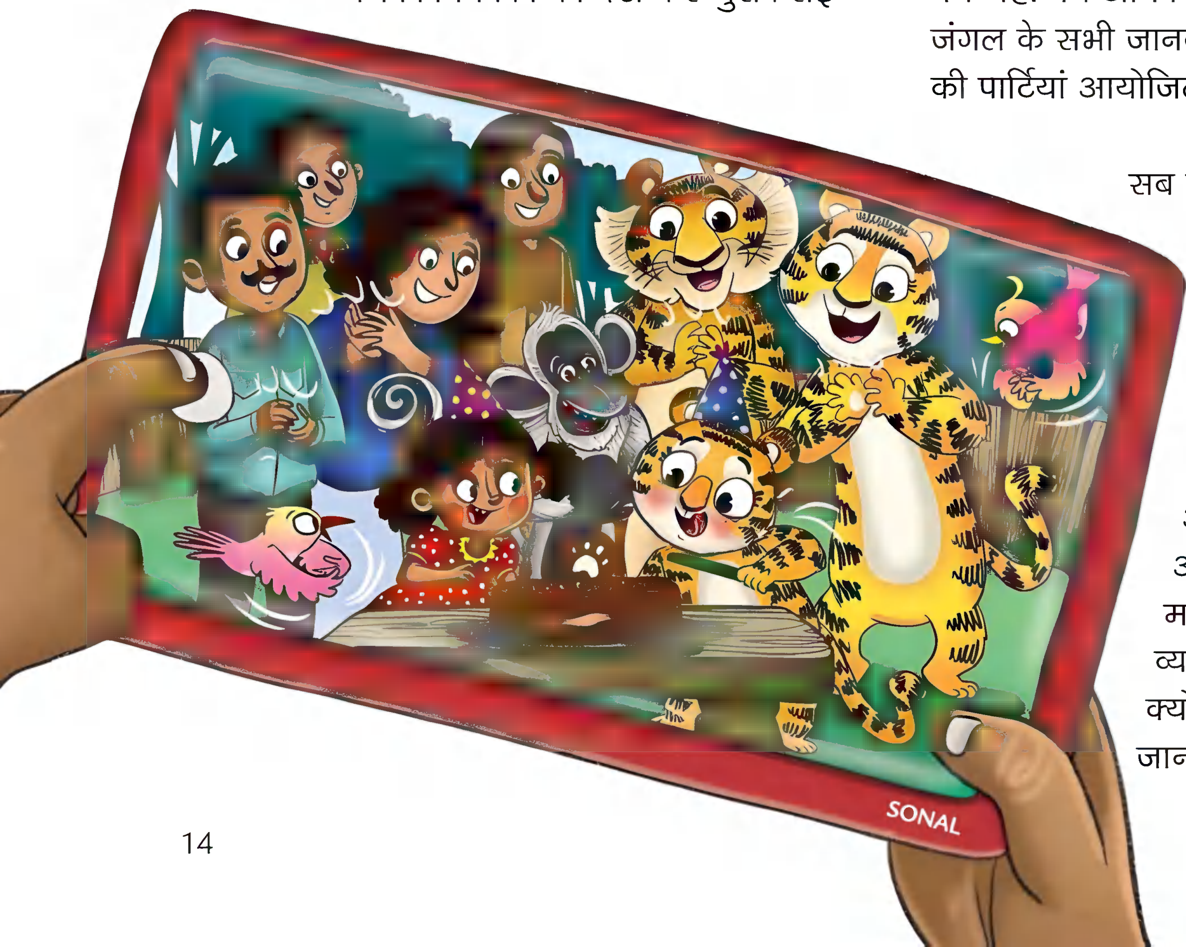
चिक्की ने अपने मातापिता को बुलाया और उन से मिक्की के लिए जन्मदिन की पार्टी आयोजित करने को कहा. वे सहमत हो गए.

जब शाम हुई तो मिक्की की जन्मदिन पार्टी का समय हो गया.

मिक्की ने एक नया लाल लबादा ओढ़ा और जन्मदिन की टोपी पहनी. चिक्की ने बाघों और लौंग टेल को केक काटना और हैप्पी बर्थडे गाना गाना सिखाया.

जन्मदिन की पार्टी वाकई बहुत शानदार थी. मिक्की, उस के मातापिता और लौंग टेल को केक का स्वाद बहुत पसंद आया. लौंग टेल ने चिक्की के साथ डांस भी किया. इस के बाद उस ने एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया जिस में सभी जानवरों और मनुष्यों के बीच मित्रता विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया.

मिक्की और चिक्की के मातापिता बहुत अच्छे दोस्त बन गए. वन अधिकारी ने घोषणा की कि आज से जंगल के सभी जानवरों के बच्चों के लिए जन्मदिन की पार्टियां आयोजित की जाएंगी.



सब से अधिक विद्वान प्राणी होने के कारण लौंग टेल ने मानव कैलेंडर का अनुसरण करते हुए पशु शावकों का जन्मदिन निर्धारित करने की जिम्मेदारी ली.

और अब, सभी जानवरों के बच्चे अपना जन्मदिन मनाते थे और मनुष्य जानवरों के प्रति मित्रवत व्यवहार करते थे, केवल इसलिए क्योंकि मिक्की मनुष्यों के बारे में जानने के लिए उत्सुक थी. ●

चित्र पूरा करें



इस चित्र में कुछ हिस्से खाली रह गए हैं. चित्र को देखें, उन्हें पूरा करें और फिर इन में रंग भरें.





बताओ तो जानें



देखें तुम कितना जानते हो

1. मैं हर दिन तुम्हारे बगल में बैठता हूं
   एक ट्रे में नाश्ता और दोपहर का भोजन पैक कर
   मारे खुशी से तुम मेरी जिप खोल देते हो
   तुम्हारे दोपहर के ब्रेक को बिलकुल सही बनाता हूं.

2. मैं तुम्हारा सहायक हूं, चिकना और सफेद
   तुम्हारी लिखावट सही नहीं होती तो उसे ठीक कर देता हूं
   मैं सिर्फ एक झटके में शब्दों को गायब कर देता हूं
   हालांकि कभीकभी मैं एक धारी छोड़ देता हूं.

3. मैं शिक्षक की मेज के पीछे खड़ा हूं
   मैं तुम्हारी कला दिखाता हूं बहुत ही मनोरम
   मैं संकेतों के लिए बना हूं, डूडल के लिए भी
   चुंबकों, पिनों और चिपचिपे गोंद के साथ होता हूं.

4. मैं अलगअलग कपड़ों से बना हूं
   मैं तुम्हारे सिर के ऊपर बैठता हूं
   मैं ठंड में गरम और आरामदायक हूं
   और धूप में छाया प्रदान करता हूं.

1. भारत के किस राज्य में विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय उद्यान स्थित है?
   (क) राजस्थान
   (ख) मणिपुर
   (ग) केरल
   (घ) हिमाचल प्रदेश
2. कौन सा पक्षी पीछे की ओर उड़ सकता है?
   (क) गौरैया
   (ख) उल्लू
   (ग) हमिंगबर्ड
   (घ) तोता
3. बकरी के बच्चे को क्या कहते हैं?
   (क) शावक
   (ख) बछड़ा
   (ग) चूजा
   (घ) बच्चा
4. कौन सा भारतीय मसाला एक बंद सूखी फूल की कली है?
   (क) दालचीनी
   (ख) लौंग
   (ग) इलायची
   (घ) हल्दी

उत्तर (बताओ तो जानें) : 11. लंच बौक्स, 2. करेक्शन टेप, 3. नोटिस बोर्ड, 4. टोपी.

उत्तर (देखें कितना जानते हो?) : 1. ख, 2. ग, 3. घ, 4. ख.

मजेदार विज्ञान

कागज के कप पर खड़े होना

आइए, जानते हैं कि आकार कैसे वजन वितरण को प्रभावित करता है.

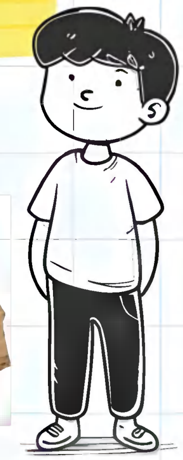
आप को चाहिए:



4 या अधिक कागज के कप



गत्ते का एक सपाट टुकड़ा



एक व्यक्ति जो अभी भी स्थिर खड़ा रहने को तैयार है !

ऐसा करें:

1. कपों को उल्टा कर के फर्श पर एक वर्गाकार या आयताकार आकार में रखें.





2. कार्डबोर्ड को कपों के ऊपर सावधानी से रखें.

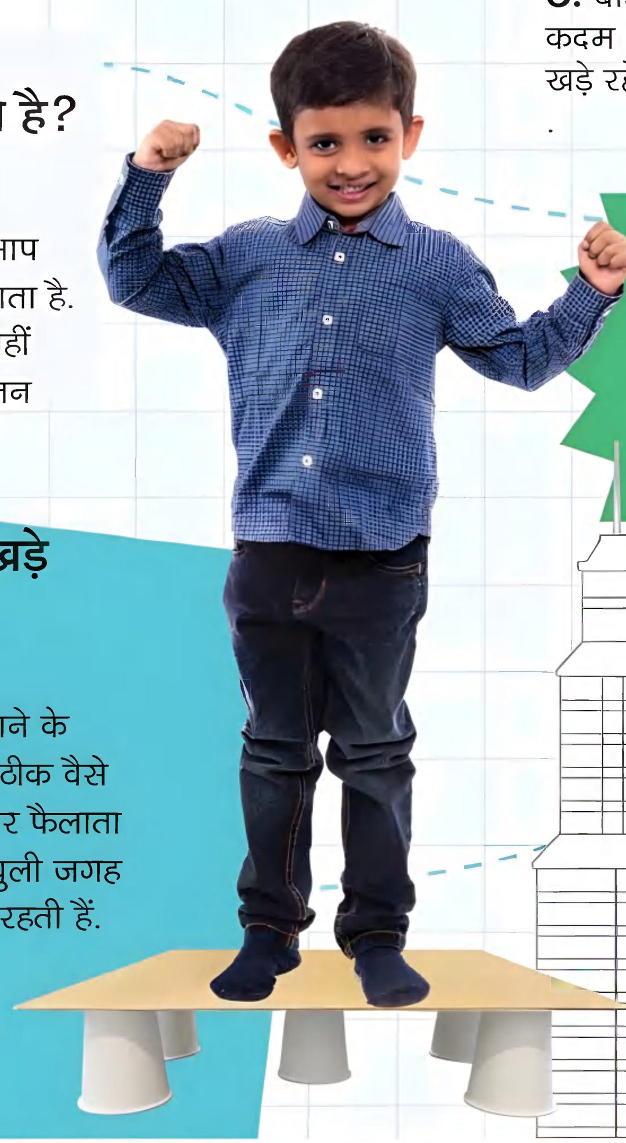


3. बोर्ड पर धीरे से कदम रखें और स्थिर खड़े रहें.

यह आप को कैसे सहारा देता है?

सोचें:

पेपर कप मजबूत खड़े रहते हैं, क्योंकि आप का वजन बोर्ड पर समान रूप से फैल जाता है. यहां पर एक कप आप का सारा वजन नहीं उठाता है बल्कि प्रत्येक कप थोड़ाथोड़ा वजन साझा करता है.



देखें:

कप कभी नहीं गिरते. आप उन पर ऊंची इमारत की तरह खड़े हो सकते हैं.



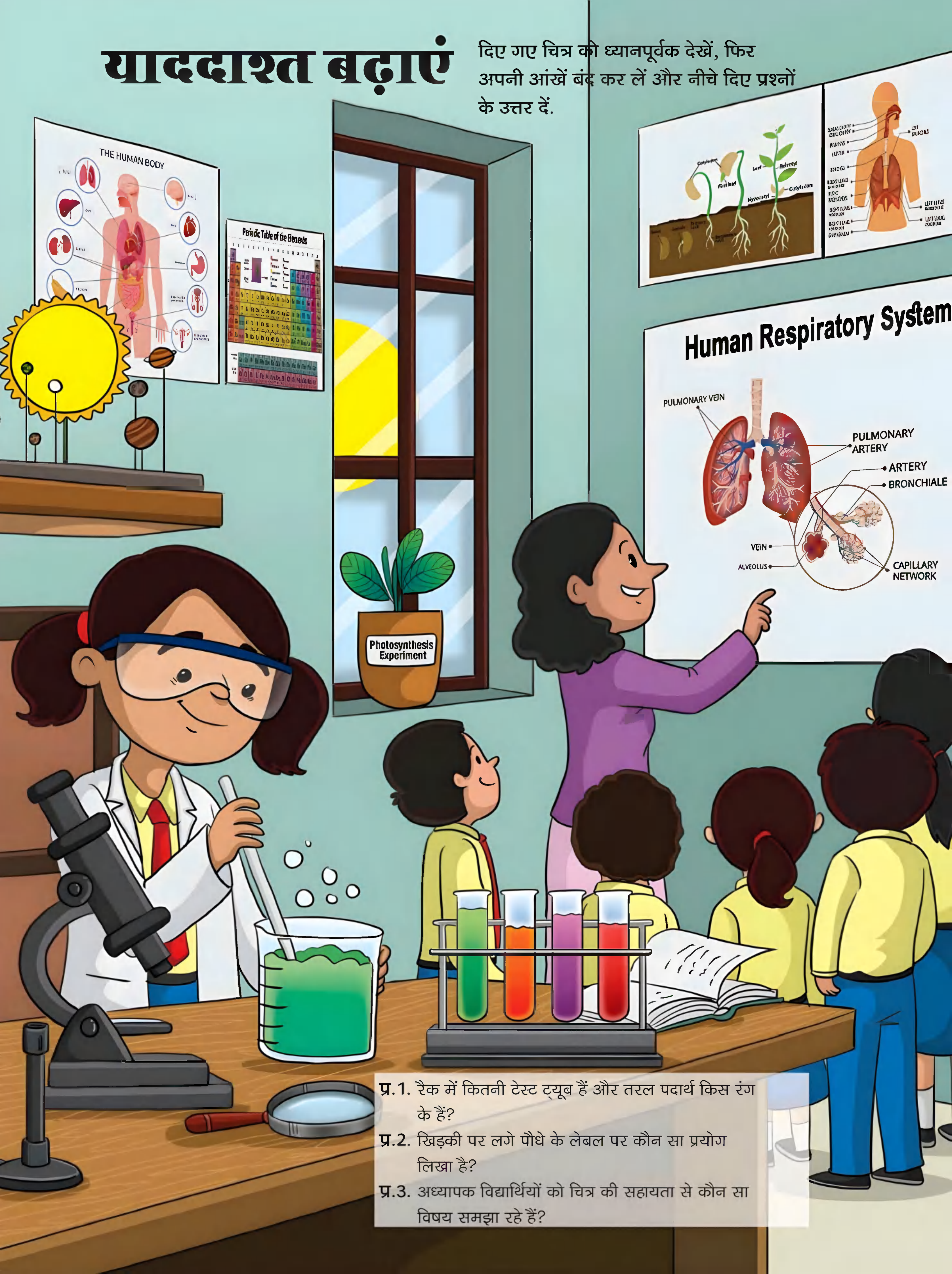
गगनचुंबी इमारत की तरह खड़े हो जाओ.

पता करें:

गगनचुंबी इमारतें पूरे ढांचे पर भार फैलाने के लिए मजबूत फ्रेम का उपयोग करती हैं, ठीक वैसे ही जैसे आप का बोर्ड कपों पर अपना भार फैलाता है. इस से उन्हें अंदर कम कौलम और खुली जगह मिलती है, जबकि वे मजबूत और स्थिर रहती हैं.

याददाश्त बढ़ाएं

दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखें, फिर अपनी आंखें बंद कर लें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दें.



प्र.1. रैक में कितनी टेस्ट ट्यूब हैं और तरल पदार्थ किस रंग के हैं?

प्र.2. खिड़की पर लगे पौधे के लेबल पर कौन सा प्रयोग लिखा है?

प्र.3. अध्यापक विद्यार्थियों को चित्र की सहायता से कौन सा विषय समझा रहे हैं?



नींद वाला नंदू

कहानी ● अलका जैन

नमन, जिसे उस के दोस्त प्यार से 'निंद्रालु नंदू' कहते थे, उस की एक अजीब आदत थी. उसे हमेशा नींद आती रहती थी.

जब भी वह अपना होमवर्क करने बैठता, तो उस की पलकें झपकने लगतीं. क्लास में जब टीचर आतीं तो उस का सिर हमेशा डेस्क पर टिका रहता. यहां तक कि फील्ड में बल्लेबाजी करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए भी वह लगातार जम्हाई लेता रहता.

असल में यह सिर्फ आलस्य नहीं था. नमन के सोनेजागने का चक्र कुछ गड़बड़ था. वह अकसर देर रात तक टीवी देखता या फिर गेम खेलता, जिस से सुबह जल्दी उठना उस के लिए मुश्किल हो जाता था. साथ ही उस की डाइट भी ठीक नहीं थी. वह जंकफूड तो खूब खाता, लेकिन हरी सब्जियां कम खाता था.

मम्मीपापा अकसर उसे समझाते कि पौष्टिक खाना और अच्छी नींद शरीर को ऊर्जावान बनाती है, लेकिन नमन को यह सब बोरिंग लगता था. उस की आदत इतनी खराब हो चुकी थी कि स्कूल में उस के फ्रेंड उसे चिढ़ाने लगे थे.

''अरे, नमन, तुम तो चलतेफिरते तकिये की तरह हो.''

''हम ने सुना था कि कछुए सब से धीमे होते हैं, लेकिन तुम तो उन से भी आगे निकल गए हो.''

नमन यह सब सुन कर तंग आ चुका था. वह अब खुद को बदलना चाहता था.

उस रात बिस्तर पर लेटेलेटे उस ने सोचा, 'काश,

मेरी आंखें हमेशा खुली रहतीं, तब सब देख पाते कि मैं कितना अलर्ट रहता हूं.'

उस रात जब नमन गहरी नींद में था, तब उस के सपने में एक सुंदर परी आई. उस के लंबे और सुनहरे बाल थे. उस की आंखों में सितारे टिमटिमा रहे थे और उस के चारों तरफ हलकी सी चमक थी.

परी मुसकराई और बोली, ''नमन, तुम बहुत अच्छे बच्चे हो. बताओ, तुम क्या चाहते हो?''

नमन की आंखों में चमक आ गई. वह फौरन बोला, ''परी, मैं चाहता हूं कि मेरी आंखें हमेशा खुली रहें. मुझे कभी नींद न आए, ताकि मैं अच्छी तरह पढ़ाई कर सकूं, अपने मम्मीपापा को खुश कर सकूं और अपने दोस्तों को खुद से दूर रख सकूं.''

परी मुसकराई और बोली, ''ठीक है, तुम्हारी विश पूरी होगी. अब से तुम्हारी आंखें कभी नहीं झपकेंगी. तुम हमेशा जागते रहोगे, हमेशा फ्रेश रहोगे.''

नमन खुशी से उछल पड़ा. उसे लगा कि अब उस की सारी परेशानियां खत्म हो गई हैं.

अगली सुबह जब नमन उठा तो उस की आंखें खुली हुई थीं और पलकें झपक भी नहीं रही थीं, वह खुशी से बिस्तर से उछल पड़ा.

''वाह, परी ने अपना वादा पूरा कर दिया, अब कोई मुझे निंद्रालु यानी 'नींद वाला नंदू' नहीं कहेगा.''

जब मां उसे जगाने आईं, तो वे चौंक गईं. ''नमन, तुम्हारी आंखें इतनी खुली क्यों हैं? क्या तुम ठीक तो हो?''

नमन हंसा, ''मां, यह मेरी सुपरपावर है, मुझे अब कभी नींद नहीं आएगी.''

मां ने सिर हिलाया और इसे मजाक समझ कर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन असली मजा तो तब





आया जब नमन स्कूल पहुंचा. क्लास में जैसे ही नमन अपनी सीट पर बैठा, टीचर ने उसे कुछ असामान्य सा देखा और पूछा, ''नमन, सब ठीक तो है न? तुम आज फ्रेश लग रहे हो.''

नमन मुसकराते हुए बोला, ''हां, मैम, अब मैं हमेशा अलर्ट रहूंगा.''

उस के दोस्त फुसफुसाए, ''लगता है यह अलार्म घड़ी बन गया है.''

लेकिन जल्द ही उस की बड़ीबड़ी आंखें सब दोस्तों को डराने लगीं. उस के दोस्तों ने कहा, ''यार, तुम्हारी आंखें रोबोट जैसी लग रही हैं. तुम्हें इन्हें डाक्टर को दिखाना चाहिए.''

शुरुआत में तो नमन को अपनी सजगता पसंद आई. अब वह बिना जम्हाई लिए पढ़ाई कर सकता था, बिना पलक झपकाए टीवी देख सकता था और कभी थका हुआ महसूस नहीं करता था, लेकिन परेशानी तब शुरू हुई, जब रात को सब सो जाते और सन्नाटा छा जाता तो नमन अकेले बिस्तर पर करवटें बदलता रहता.

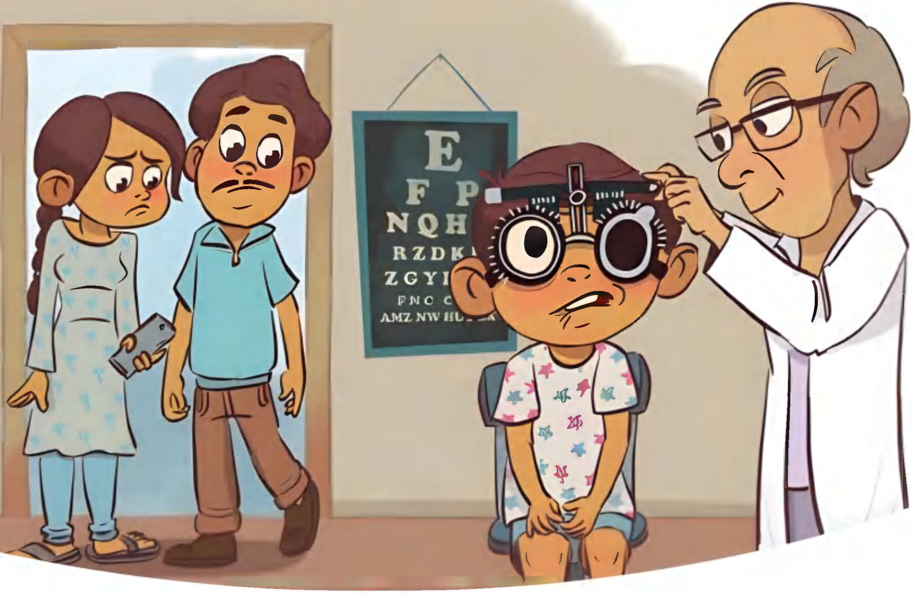
वह सोचता, 'यह सन्नाटा तो मेरे लिए असहनीय है, मैं सारी रात कितना पढ़ूं?'

बाहर सबकुछ शांत लग रहा था. उसे बाहर अजीब सी आवाजें सुनाई देने लगीं, जो उस ने पहले कभी नहीं सुनी थीं. पहली बार नमन को डर लगा.

उस रात उस ने खुद को आईने में देखा और चौंक गया. उस की आंखें बड़ी और अजीब सी लग रही थीं. वह खुद से ही डर रहा था.

क्लास में जब टीचर कहतीं, ''सभी बच्चे अपना हेड डाउन कर 5 मिनट आराम करो,'' तो नमन का सिर झुकता ही नहीं था.

टीचर ने हैरानी से उस की तरफ देखा और कहा, ''नमन, तुम अपनी आंखें बंद क्यों नहीं कर रहे हो?''



नमन को अपनी गलती का अहसास होने लगा. उस के मम्मीपापा उसे डाक्टर के पास ले गए. डाक्टर ने उस की आंखों की जांच की और कहा, ''यह सामान्य नहीं हैं. इस का औपरेशन करना पड़ सकता है.''

नमन का दिल बैठ गया. वह सोचने लगा, 'औपरेशन? अरे नहीं, मैं सर्जरी से डरता हूं.'

उस रात वह अपने तकिए पर सिर रख परी से विनती कर रोया. 'अरे परी, प्लीज, मुझे माफ कर दो. मैं अपनी सामान्य आंखें वापस चाहता हूं, मैं अब और दर्द नहीं सह सकता.'

वह यह सोच कर घंटों रोता रहा कि परी कभी वापस नहीं आएगी, लेकिन सुबह होने से ठीक पहले, परी प्रकट हुई और वह धीरे से मुसकरा रही थी.

''अरे, प्यारे नमन, मैं ने सुना है कि तुम्हें मेरी याद आ रही थी,'' उस ने चिढ़ाते हुए कहा.

नमन ने विनती की, ''अरे परी, प्लीज मुझे फिर से अपनी नौर्मल आंखें वापस चाहिए. मैं ने सबक सीख लिया कि हर चीज का एक समय होता है, मैं अब हमेशा जागते नहीं रहना चाहता.''

परी ने सिर हिलाया और बोली, ''मुझे खुशी है कि तुम ने यह बात समझ ली. जीवन का संतुलित होना जरूरी है, लेकिन याद रखना, आलस्य और ओवरएक्टिवनेस दोनों से बचना चाहिए.''

''मैं वादा करता हूं,'' नमन ने उत्सुकता से कहा.

अपनी जादुई छड़ी से परी ने नमन की आंखें वापस ला दीं.

अगली सुबह नमन की आंखें फिर से झपकने लगीं, वह दौड़ कर अपनी मां के पास गया, ''मां, देखो, मेरी आंखें फिर से नौर्मल हो गई हैं.''

मां ने राहत की सांस ली और बोलीं, ''अरे, वाह, अब तुम्हें औपरेशन की जरूरत नहीं है.''

उस दिन जब नमन स्कूल गया तो उस के दोस्त खुशी से झूम उठे. ''नमन, तुम नौर्मल हो गए हो. अब तुम नींद में चलने वाले नंदू नहीं रहे.''

नमन मुसकराया. उस दिन उस ने तय किया कि वह अपनी नींद और जागने का सही संतुलन बनाएगा. वह समय पर सोएगा, अच्छा खाएगा और अपनी सेहत का ध्यान रखेगा.

वह समझ गया था कि नींद कोई कमजोरी नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है. ●



छिपे चित्र ढूंढ़ें

क्या आप जानते हैं कि 20 जुलाई को विश्व शतरंज दिवस है? स्कूल के खेल के स्पोर्ट्स रूम में मधु और रिषभ ने सभी काले और सफेद शतरंज के मोहरे खो दिए हैं. क्या आप सभी 32 मोहरे ढूंढ़ सकते हैं?



उत्तर अंतिम पृष्ठ पर देखें.

मजेदार पैंसिल टौपर्स

द्वारा : श्रद्धा ए पेठे (इंस्टाग्राम : श्रद्धा द्वारा हस्तनिर्मित)

आप को चाहिए :

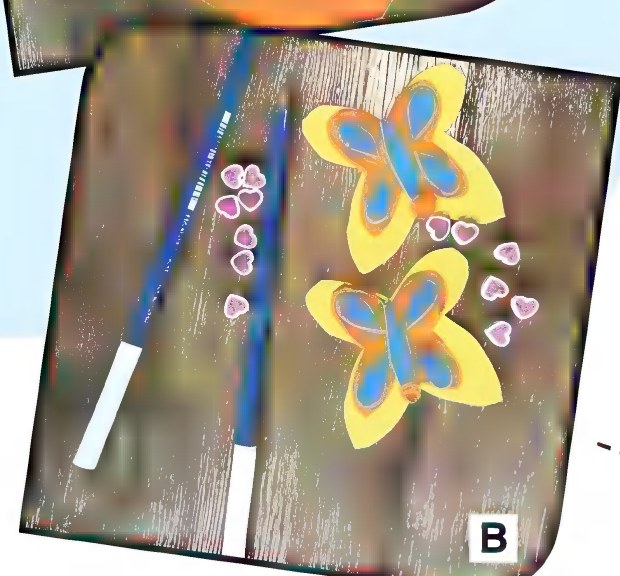
रंगीन फेल्ट शीट, रंगीन धागे, प्लास्टिक धागे, गोंद, कैंची, पैंसिल, सजावटी मोती, काला स्केच पैन, सादा सफेद कार्डपेपर.

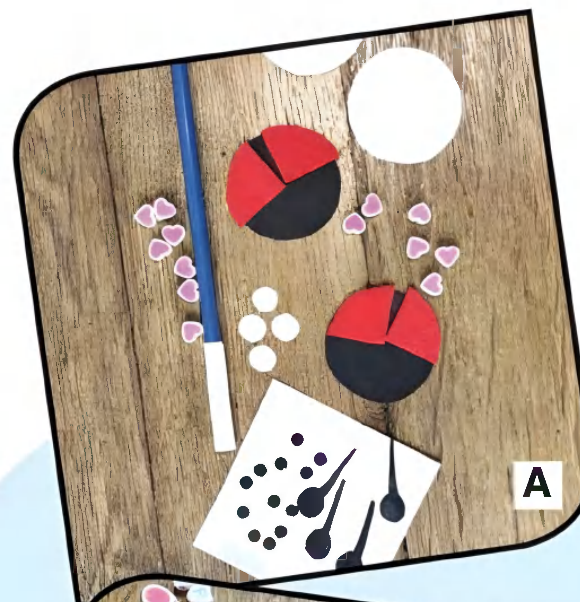
ऐसे बनाएं :

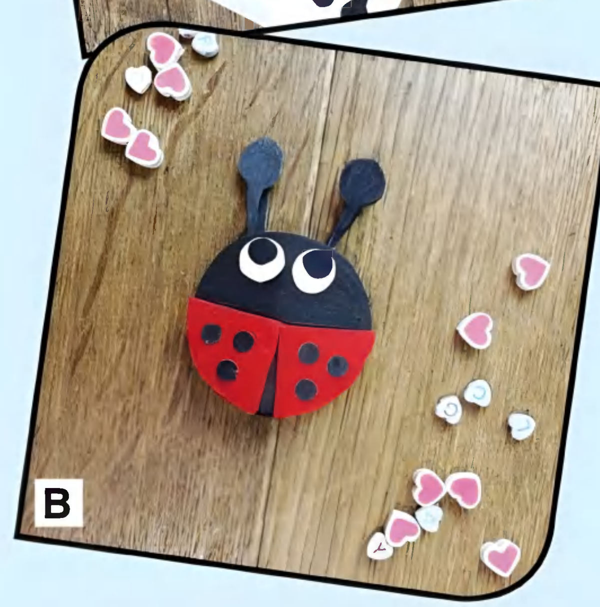
1 (A) दो तितलियां और छोटी बूंद जैसी आकृतियां दो अलगअलग रंग के फेल्ट पर बनाएं. तितली बनाने के लिए आकृतियां काट कर एकसाथ चिपकाएं जैसा दिखाया गया है.

(B) पैंसिल के चारों ओर सफेद कार्ड पेपर लपेट कर 3 छोटी ट्यूब बनाएं, जैसा यहां बताया गया है.


A


B


A


B

2 (A) सफेद कागज से 2 बड़े वृत्त, 4 एंटीना और 12 छोटे वृत्त काटें और उन्हें स्केच पैन का उपयोग कर के काले रंग से रंग दें. लाल फेल्ट से 4 त्रिकोण और 4 छोटे सफेद वृत्त (आंखों के लिए) काटें.

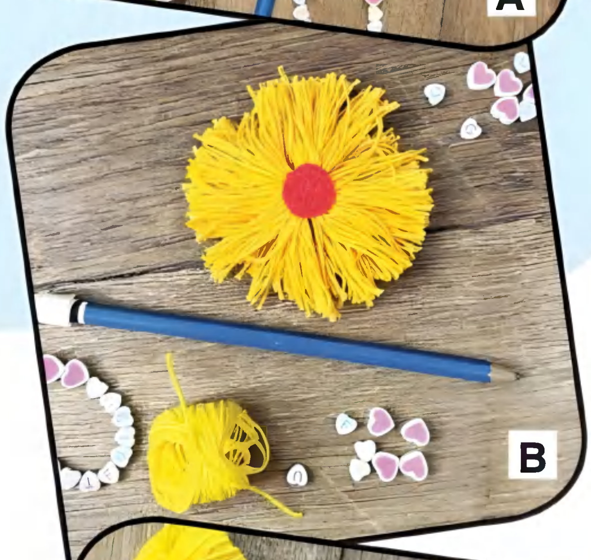
(B) लेडीबग बनाने के लिए सभी टुकड़ों को एक साथ चिपका दें जैसा कि यहां दिखाया गया है.

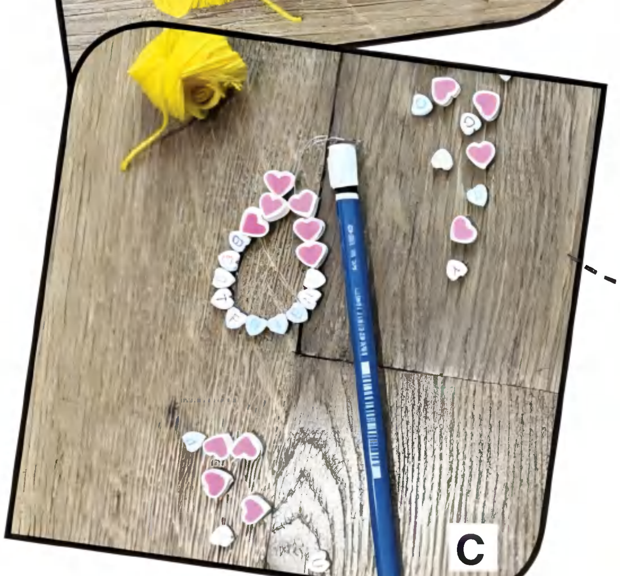
3 (A) रंगीन धागा लें और उसे गोंद की बोतल के चारों ओर लपेटें जैसा कि चित्र में दिखाया गया है.

(B) इसे बोतल से निकालें और दूसरे छोटे धागे से बांधें जैसा कि चित्र में दिखाया गया है. इसे काट कर फूल बनाएं और सजाएं.

(C) प्लास्टिक का धागा लें और उस में अपनी पसंद के मोती डालें तथा उन्हें एकसाथ बांध दें.









आप के मजेदार पैंसिल टौपर्स स्कूल में पहले दिन के लिए तैयार हैं.

4 पैंसिल लें और उसे छोटी पेपर ट्यूब में डालें. पेपर ट्यूब के दोनों तरफ तितलियां और लेडीबग चिपकाएं. फूल और मोतियों के धागे को भी पेपर ट्यूब पर चिपकाएं.

अपने घर पर इसे स्वयं ही बनाने की कोशिश करें. हमें अपनी प्रविष्टि writetochampak@delhipress.in या एक फोटो खींच कर +91 8657402248 पर भेज दें.


चीकू
चित्रकथा : दास
बारिश शुरू हो गई. चीकू और मीकू ने एक पेड़ के नीचे शरण ली.
ऐसा लगता है कि बारिश लंबे समय तक होगी.
और अगर ऐसा हुआ तो हम भीग जाएंगे.
एक मेढक झाड़ी से बाहर कूद पड़ा.
आओ, बारिश में भीगें, खूब मजा आएगा.
इस को देखो. यह वास्तव में भीगने का मजा ले रहा है, लेकिन मुझे तो सर्दी लग जाएगी.
मुझे लगता है कि बारिश कुछ कम हो गई है.
हां, हमें अब आगे बढ़ना चाहिए.
वे आगे बढ़े और बाजार पहुंच गए.
अरे नहीं, बारिश तो फिर से शुरू हो गई है.
चलो, जल्दी से उस चाय की दुकान पर चलें.
TEA
ऊपर प्लास्टिक सीट है, जिस के नीचे हम खड़े हो सकते हैं.


पौलीथिन सीट के ऊपर पानी इकट्ठा हो गया था.
इस से पहले कि प्लास्टिक सीट गिर जाए, मुझे यह पानी निकालने दो.
जैसे ही मीकू ऊपर आया, उस ने पानी निकालने के लिए एक डंडे से प्लास्टिक सीट को ऊपर उठाया.
अरे, मूर्ख, देखो, तुम ने ये क्या कर दिया, मैं भीग गया हूं.
मुझे मूर्ख कहने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?
तो फिर हम तुम्हें क्या कहें? बहादुर? प्रतिभाशाली?
हंफ, बकवास.
मीकू, तुम पूरी तरह भीग गए हो.
तुम भाग्यशाली हो, यदि तुम मुझ से आगे होते, तो भीग जाते.
तभी एक हाथी आ गया.
चीकू गीला नहीं हुआ? चलो, मैं इसे ठीक कर देता हूं.
उस ने अपनी सूंड़ से चीकू पर पानी छिड़का.
अरे नहीं, रुको, प्लीज.
बारिश में भीग जाओ, यह सब से अच्छा है. यह वह बारिश नहीं है, जो तुम्हें भिगोती है, यह तुम्हारे दिल की खुशी है, जो इसे जादुई बनाती है.
खैर, शायद यह इतना भी बुरा नहीं है.
आआआ, छू...

सुंदर रंग भरो

17 जुलाई को विश्व इमोजी दिवस है.



विशेष बाधा दौड़

कहानी ● कुमुद कुमार

सिटी पब्लिक स्कूल में नया शैक्षणिक सत्र अभी शुरू हुआ था और छठी क्लास में एक नई स्टूडेंट शामिल हुई थी.

वह दूसरे बच्चों से बिलकुल अलग दिखती थी. यहां तक कि उस के बोलने का तरीका भी किसी को समझ नहीं आता था. हर कोई उसे हैरानी से देख रहा था.

घंटी बजते ही मोना मैम क्लास में आईं. उपस्थिति दर्ज करने के बाद उन्होंने कहा, ''प्यारे बच्चो, हमारी क्लास में एक नई छात्रा आई है. इस का नाम मीनू है.''

तभी समर ने मजाक में कहा, ''लेकिन मैम, मीनू तो हमारी तरह नहीं दिखती. यह कौन सी दुनिया से आई है? यह कोई एलियन है क्या?''

समर की बात सुन कर पूरी क्लास के बच्चे हंसने लगे, लेकिन मोना मैम काफी गंभीर हो गईं.

उन्होंने कहा, ''प्यारे बच्चो, मीनू पहाड़ी क्षेत्र से है. हालांकि उस की शक्लसूरत हम लोगों से थोड़ा अलग है और आप को उस की भाषा समझने में भी कठिनाई हो सकती है, लेकिन यह भी आप में से किसी की तरह ही है. कोई भी अब इस का मजाक नहीं उड़ाएगा जैसा समर ने उड़ाया है.''

इतना कह कर मैम क्लास से बाहर चली गईं.





“मां, स्कूल में कई बच्चे मेरा मजाक उड़ाते हैं, क्योंकि मैं पहाड़ी हूं. मुझे क्या करना चाहिए?”

तभी तनु ने तुरंत मीनू का मजाक उड़ाते हुए कहा, “अरे, चपटे चेहरे वाली, क्या तुम्हारे पहाड़ में सभी लोगों के चेहरे ऐसे ही चपटे होते हैं?”

पूरी क्लास यह सुन कर फिर हंस पड़ी, लेकिन मीनू चुप रही.

राघव, जो खंभे जैसा लंबा था, मीनू को छोटा समझता था इसलिए उस का नाम उस ने टिनी रख दिया था.

पहले दिन से ही समर ने उसे एलियन कहना शुरू कर दिया. कुछ अन्य छात्र भी उसे इसी नाम से पुकारने लगे.

सपना के लिए मीनू के बोलने के तरीके की नकल करना एक खेल बन गया था.

लेकिन सभी स्टूडेंट ऐसे नहीं थे. उन में से कुछ मीनू के साथ सहानुभूति रखते थे और उस के अच्छे दोस्त भी बन गए. वे उन लोगों का भी विरोध करते थे, जो उस का मजाक उड़ाते थे.

एक दिन मीनू ने दुखी हो कर अपनी मां से कहा,

उस की मां ने जवाब दिया, “मीनू, तुम ने तो कहा था कि प्रिंसिपल सुनीता और बाकी टीचर भी तुम्हें प्यार करते हैं, साथ ही तुम ने पहले ही कुछ अच्छे दोस्त भी बना लिए हैं. फिर तुम उन लोगों की चिंता क्यों करती हो, जो तुम्हारा मजाक उड़ाते हैं?”

“लेकिन मां, मुझे सचमुच यह पसंद नहीं कि कोई मेरा मजाक उड़ाए.”

“तुम चिंता मत करो, मीनू. बस उन्हें यह दिखाओ कि तुम उन से अच्छभ क्या कर सकती हो. एक बार जब तुम अपनी क्षमता साबित कर दोगी, तो कोई भी तुम्हारा मजाक नहीं उड़ाएगा. इस के बजाय वे तुम्हारी प्रशंसा करेंगे.”

उस दिन से मीनू खुद को अच्छा साबित करने के लिए अवसर तलाशने लगी.

एक दिन प्रिंसिपल सुनीता ने घोषणा की, “स्कूल में एक विशेष बाधा दौड़ का आयोजन किया जाएगा. रेस ट्रैक में मिट्टी और रेत के ढेर होंगे, जो अलगअलग आकार की बाधाएं बनाएंगे. प्रत्येक धावक इन बाधाओं को पार करते समय अपनी पीठ पर अपने शरीर के आधे वजन के बराबर सामान

उठाएगा. अंतिम ढेर सब से ऊंचा होगा और उस के शीर्ष पर एक झंडा होगा. शिखर पर लाल झंडा लहराने वाला पहला धावक विजेता होगा. इच्छुक स्टूडेंट अपने नाम हमारे शारीरिक शिक्षा टीचर राजदीप सर को बताएं.''

मीनू को लगा कि यह उस के लिए सुनहरा अवसर है और वह अपना नाम रजिस्टर कराने वाली पहली स्टूडेंट थी.

बाधा दौड़ की तैयारियां जोरशोर से शुरू हो गई थीं. आयोजन के दिन स्कूल के फील्ड में भारी भीड़ जमा हो गई.

हर प्रतिभागी के शरीर पर उस के आधे वजन का बैग बंधा हुआ था. प्रतिभागियों में समर, तनु, सपना और राघव शामिल थे. ये सभी अभी भी मीनू पर हंस रहे थे और उस का मजाक उड़ा रहे थे. उन का मानना था कि पहाड़ी लड़की मीनू शुरू में ही बाहर हो जाएगी.

लेकिन मीनू ने अपनी प्रतिभा से उन के तानों का जवाब देने की ठानी.

जैसे ही राजदीप सर ने 'गो' कहा, विशेष बाधा दौड़ शुरू हो गई.

मीनू को छोड़ कर बाकी सभी प्रतिभागी पूरी ताकत से दौड़ रहे थे. किसी ने भी उस की तरफ ध्यान नहीं दिया. सभी का ध्यान सब से आगे दौड़ने वालों पर था.

लेकिन यह क्या था?

जैसे ही समर पहला टीला पार किया. उस की सांस फूलने लगी. वह अपना संतुलन खो बैठा और टीले से नीचे लुढ़क गया. उस के गिरने पर भीड़ जोरजोर से हंसने लगी.

दूसरे टीले तक पहुंचते तनु थक गई थी. वह नीचे उतरने की ताकत भी नहीं जुटा पा रही थी. वोटंटियर्स को उसे स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा, जिस से दर्शक और भी हंसने लगे.

सपना को भी तीसरे टीले पर चढ़ने में संघर्ष करना पड़ा, वह लड़खड़ा गई और नीचे गिर गई. उस का पूरा चेहरा मिट्टी से सना हुआ था. वह पहचान में भी नहीं आ रही थी. उसे इस हालत में देख कर सभी लोग फिर से हंस पड़े.

अब दौड़ में केवल राघव और मीनू ही शेष रह गए थे.

चौथे टीले पर चढ़ने के बाद राघव भी हांफने लगा.

आगे 5वां और सब से ऊंचा टीला था, जो एक छोटे पहाड़ जैसा दिख रहा था, जिस के ऊपर लाल झंडा लगा हुआ था. राघव के समर्थक जोरजोर से चिल्लाने लगे, ''राघव, राघव.''

इस दौरान मीनू और करीब आती जा रही थी. उस के समर्थक भी 'मीनू, मीनू' चिल्ला रहे थे.





बचपन से ही मीनू भारीभरकम सामान उठा कर पहाड़ियों पर चढ़तीउतरती थी. जब राघव आखिरी टीले पर चढ़ने के लिए संघर्ष कर रहा था, तो मीनू रेस में लगातार आगे बढ़ रही थी.

तभी राघव ने एक चाल चलने की कोशिश की. उस ने मीनू को गिराने के लिए अपना पैर आगे बढ़ाया, ताकि वह टीले से नीचे गिर जाए, लेकिन उस के बाद जो हुआ, उस ने सभी को चौंका दिया. मीनू ने उसे चकमा दिया और रेस जारी रखी. चाल उल्टी पड़ गई, राघव खुद ही लुढ़क गया और टीले से नीचे गिर गया.

इस बीच, मीनू शान से आगे बढ़ गई. उस ने लाल झंडा लहराया और गर्व के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया.

राघव नीचे लेटा हुआ निराशा से मीनू को झंडा लहराते देख रहा था.

प्रिंसिपल सुनीता सहित सभी ने खड़े हो कर मीनू के सम्मान में ताली बजाई.

प्रिंसिपल सुनीता ने उसे एक नया ट्रैक सूट गिफ्ट किया और कहा, ''आज मीनू ने सब को अपनी प्रतिभा दिखा दी है और अपना मजाक उड़ाने वालों का मुंह बंद कर दिया है. सचमुच हम अपनी क्षमताओं से बहुत कुछ बदल सकते हैं.''

अगले दिन जो बच्चे उसे चिढ़ाते थे, उन्होंने मीनू से

माफी मांगने का फैसला किया.

जैसे ही उन्होंने सौरी कहा, मीनू बोली, ''सौरी? आप सब को माफी नहीं बल्कि, सजा मिलेगी. जिंदगी भर की सजा और तुम्हारी सजा है, जिंदगी भर की दोस्ती.''

यह सुन कर सभी बच्चों के चेहरे ख़ुशी से खिल उठे. सब ने मीनू को प्यार से गले लगाया. राघव ने उस से हाथ मिलाया और कहा, ''मीनू, हम तुम से बहुत प्रभावित हैं, तुम सिर्फ रेसिंग में ही नहीं, मजाक करने में भी नंबर वन हो.'' ●



SHARVARI KOLTE

विषय और सीढ़ियां

स्कूल जल्दी ही फिर से खुलने वाले हैं. यह गेम खेल कर याद करें कि स्कूल कितना मजेदार हो सकता है.

ऐसे खेलें :

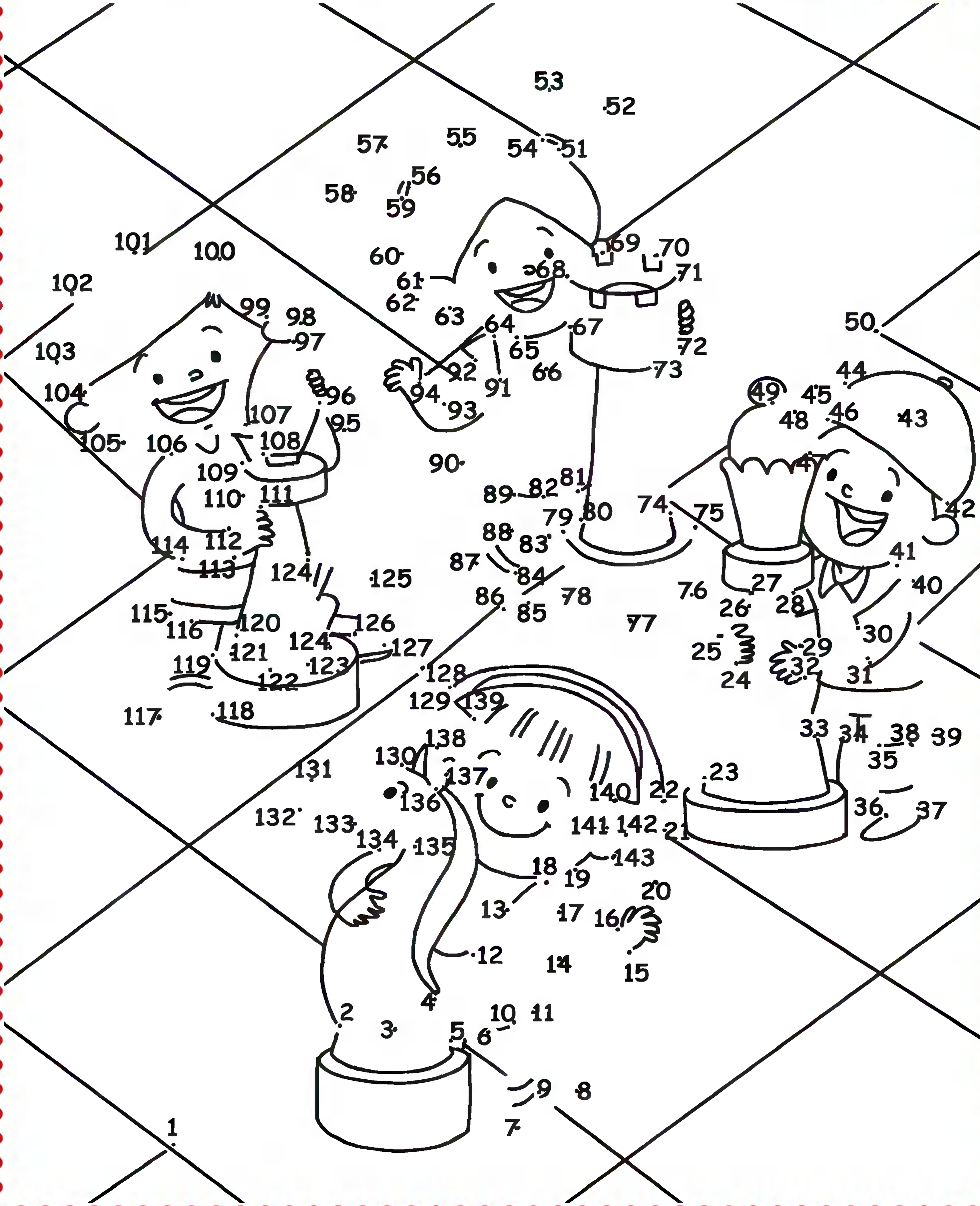
- खेल शुरू करने के लिए पासा घुमाएं.
- जब आप किसी विषय पर उतरें, तो 5 सेकंड के भीतर उस से संबंधित एक शब्द बोलें. यदि नहीं, तो 5 स्थान पीछे जाएं.
- प्रत्येक पंक्ति पर दिए गए निर्देशों का पालन करें.
- यदि आप "हल करें" लिखी हुई टाइल पर पहुंच जाते हैं और आप के पास सही उत्तर नहीं है, तो आप 2 स्थान पीछे चले जाएं.



बिंदु मिलाओ

अंकों के अनुसार बिंदुओं को मिलाएं और चित्र को पूरा करें.

20 जुलाई को विश्व शतरंज दिवस है.





कल्पना की सैर

कहानी ● इलिका प्रिया

अब्बू को अपने मोबाइल पर कार्टून देखना बहुत पसंद था. काल्पनिक कहानियों पर आधारित कार्टून उसे रोमांच से भरी दुनिया में ले जाते थे. आज अब्बू ने ऐसा ही एक कार्टून देखा, 'तितलियों की दुनिया' जो काफी रोमांचक था. यह वाकई एक रोमांचकारी शो था, जिस में एक फूलों का बगीचा था, जहां खूबसूरत फूल खिले थे और वहां एक बच्चा तितली बन जाता है.

इस पर उस का मन मचल गया. इंसान होना कितना बोरिंग है, उस के मन में तितलियों की दुनिया घूमती रही.

'काश, मैं भी तितली बन पाता,' उस ने फुसफुसाते हुए कहा और धीरेधीरे नींद ने उसे अपने आगोश में ले लिया.

वह अभी सो ही रहा था कि उसे महसूस हुआ है कि कोई उसे झकझोर रहा है. उस ने अपनी आंखें खोलीं तो देखा कि एक उल्लू जैसा कुछ दिख रहा था, जो उस के बेड की साइड टेबल पर रखे उल्लू के आकार के लैंप जैसा ही था. चौंक कर वह चिल्लाया.

लेकिन उस ने उसे चुप रहने का इशारा किया. डर कर अब्बू चुप हो गया.

''चलो, चलें,'' उल्लू बोला.

''कहां?'' अब्बू हकलाते हुए बोला.

''अरे, मैं तो अपना परिचय देना ही भूल गया. मैं टाइमर हूं. मैं बच्चों के सपनों में आता हूं और उन्हें उन की कल्पनाओं की दुनिया में ले जाता हूं. आज तुम तितली बनना चाहते थे, है न? चलो, तुम्हें फूलों की दुनिया में ले चलता हूं. तुम्हारी विश आज पूरी होगी,'' टाइमर ने कहा.

''क्या मैं सचमुच तितली बन सकता हूं?'' अब्बू ने उत्साहित हो कर पूछा.

‘‘नहीं, लेकिन फूलों की दुनिया में तुम पंखों वाले अब्बू होगे. कैसे, यह मैं तुम्हें नहीं बताऊंगा,’’ टाइमर बोला और उस ने उसे अपनी पीठ पर बैठने के लिए कहा.

अब्बू मना नहीं कर सका और उठ कर उस की पीठ पर बैठ गया. जैसे ही वह बैठा, टाइमर रॉकेट की शक्ल में बदल गया और शू की आवाज के साथ अंधेरे आसमान की तरफ उड़ गया. अब्बू को अचानक झपकी सी आ गई. उस ने जब अपनी आंखें खोलीं, तो देखा कि टाइमर किसी धरती पर उतर रहा था.

‘‘यही है तुम्हारे सपनों की दुनिया और तुम हो इस बगीचे की खूबसूरत तितली,’’ उस ने कहा.

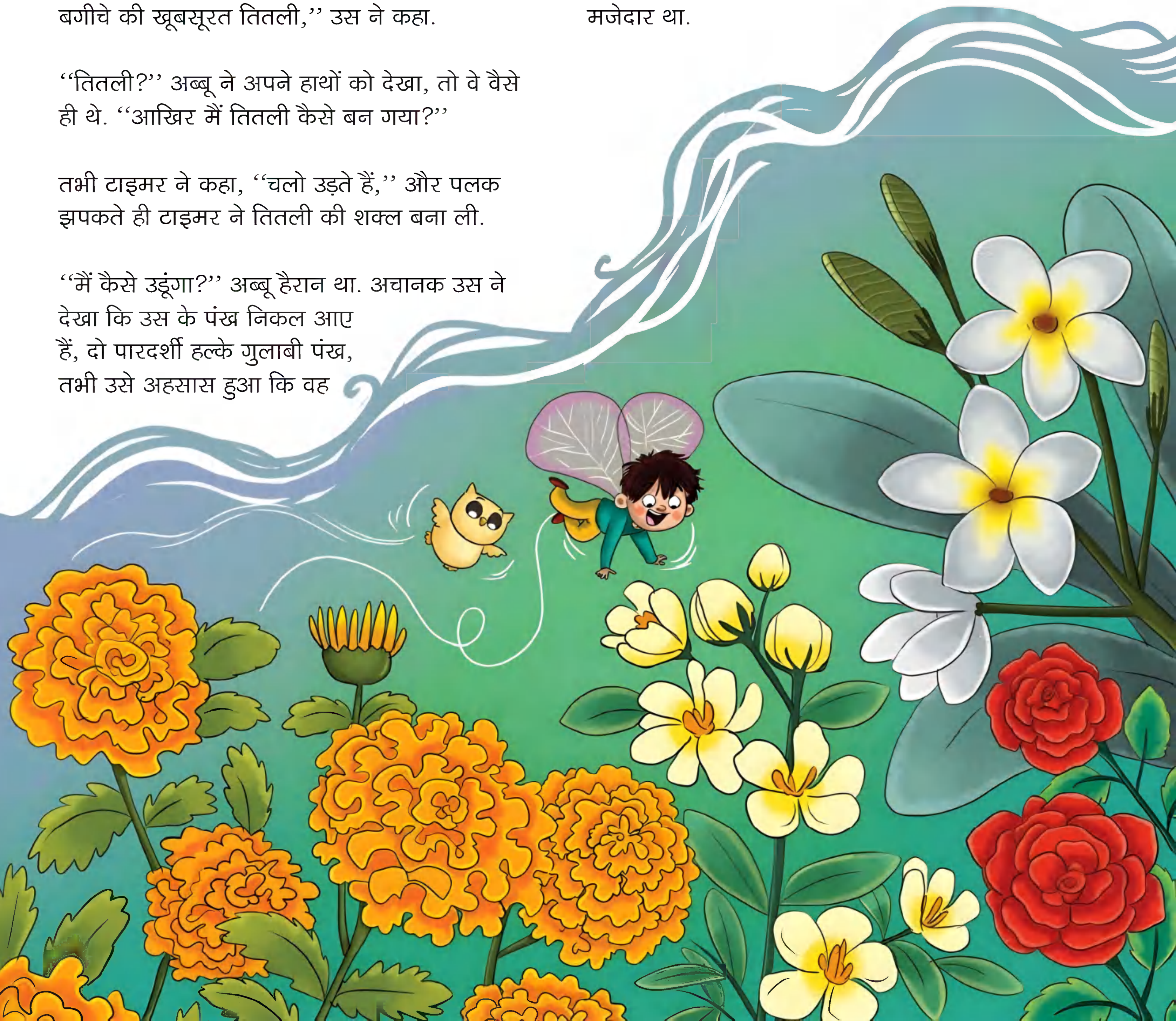
‘‘तितली?’’ अब्बू ने अपने हाथों को देखा, तो वे वैसे ही थे. ‘‘आखिर मैं तितली कैसे बन गया?’’

तभी टाइमर ने कहा, ‘‘चलो उड़ते हैं,’’ और पलक झपकते ही टाइमर ने तितली की शक्ल बना ली.

‘‘मैं कैसे उडूंगा?’’ अब्बू हैरान था. अचानक उस ने देखा कि उस के पंख निकल आए हैं, दो पारदर्शी हल्के गुलाबी पंख, तभी उसे अहसास हुआ कि वह तितली बन गया है. अब्बू तितली ने अपने पंख फड़फड़ाए. पहले तो वह डगमगाया, लेकिन फिर तेजी से उड़ कर टाइमर के पास पहुंच गया.

‘‘चलो, चलें?’’ इस बार अब्बू ने कहा और तेजी से ऊपर की ओर उड़ान भरी.

‘‘वाह,’’ वह उड़ता हुआ चमेली के फूलों की खुशबू को सूंघते हुए इधरउधर उड़ता रहा. वह पंखड़ियों पर हवा में उछला, उस ने कलाबाजियां दिखाईं, फिर पंखड़ियों से जमीन पर छलांग लगाई, लेकिन इस से पहले कि वह जमीन पर टकराता उस ने अपने पंख फड़फड़ाए और फिर से हवा में उड़ गया. यह बहुत मजेदार था.





आगे चंपा, चमेली, गुलाब, गेंदा और बहुत सारे फूल खिले थे और सभी इतने बड़े कि अब्बू उन के सामने छोटी सी तितली लग रहा था.

''मेरा साइज भी अब तितली के आकार का हो गया यानी मैं एक तितली की तरह सारी मस्ती कर सकता हूं,'' अब्बू ने खुशी से उड़ते हुए कहा.

'काश, मैं हमेशा के लिए एक तितली बन कर यहीं रह जाता,' अबू ने मन ही मन सोचा.

''यह क्या सोच लिया तुम ने?'' अचानक टाइमर आ धमका. ''यहां तुम जो भी सोचोगे, तुम्हारी वह विश पूरी होगी. तुम्हें बस यहीं रहना होगा. मैं जा रहा हूं किसी और की विश पूरी करने,'' यह कह कर टाइमर गायब हो गया.

'टाइमर...' अब्बू सोच ही रहा था कि अचानक तेज हवा चलने लगी और उसे उड़ने में मुश्किल हो रही थी, क्योंकि तेज हवा उसे बारबार पीछे धकेल रही थी.

''उड़ो, उड़ो, बहुत तेज तूफान आ रहा है,'' तितलियों का एक झुंड चिल्लाता हुआ गुजरा. हवा सच में और तेज हो गई. अब्बू जल्दी से उन के पास भागा. सभी तितलियां तेजी से उड़ रही थीं. अब्बू भी उन के साथ उड़ रहा था.

अचानक बारिश शुरू हो गई.

''जब तक यह तूफान गुजर नहीं जाता, हम किसी सुरक्षित स्थान पर छिप जाएंगे. मेरे पीछे आओ,'' तितलियों का लीडर बोला. सभी उस के पीछेपीछे भागे. वे एक पौधे के पीछे अंधेरे संकरे रास्ते से उड़ते हुए आखिर एक स्थान पर पहुंच गए. लीडर ने घोषणा की, ''यह सब से सुरक्षित जगह है.''

''लेकिन यहां तो बहुत बदबू है,'' अब्बू ने अपनी नाक पकड़ते हुए कहा. उसे बेहोशी सी आने लगी.

''ये किस ने कहा? अब तो हम मच्छर भी सोचते हैं कि गटर से बदबू आती है?'' लीडर की बात सुन कर अब्बू दंग रह गया. लीडर के चेहरे को ध्यान से देखने पर उसे अहसास हुआ कि सच में यह तो मच्छर है. तो क्या उस ने मच्छरों के झुंड को तितली समझ लिया था और अब ये मच्छर उसे गटर में ले आए हैं. उफ, बस इस विचार से ही अब्बू को उल्टी आने लगी.

मच्छरों के लीडर ने भी ध्यान से उसे देखा और कहा, ''अरे, यह कौन सा कीड़ा है? यह तो तितली जैसा भी नहीं दिखता है. लगता है कोई नई प्रजाति पैदा हो गई है.''

अब्बू बस भागना चाहता था. वह घबरा कर अपने पंख फड़फड़ाने लगा. एक ओर रास्ता देख कर वह भाग निकला.

''अरे, उस तरफ मत जाओ, उधर जाना खतरनाक है,'' मच्छरों का लीडर चिल्लाया.

''मैं ने तुम्हारी सुरक्षित जगह देख ली,'' अब्बू ने जवाब दिया और अगले ही पल वह बारिश और तेज हवा में गटर से बाहर निकल आया.

अचानक वह हवा में किसी चीज से टकराया. सामने

कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, फिर वह किस चीज से टकराया था. जब उस ने फिर से उड़ने की कोशिश की, तो वह उड़ नहीं सका. उसे महसूस हुआ कि उस के हाथपैर और पंख किसी मजबूत धागे में उलझ गए हैं.

इस से पहले कि वह कुछ समझ पाता, उस ने एक जीव को देखा, जिस के लंबे पैर थे. तभी उसे अहसास हुआ कि वह मकड़ी के जाल में फंस गया है और लंबी टांगों वाली वह मकड़ी उस के ठीक सामने थी. वह हौलीवुड फिल्म की किसी डरावनी एलियन की तरह लग रही थी, जो उसे खाने के लिए धीरेधीरे उस की तरफ रेंग रही थी.

अब्बू डर कर चिल्लाया, लेकिन उस की आवाज कौन सुनता? टाइमर बहुत पहले ही चला गया था. अब्बू डर से कांप रहा था. उस ने अपना हाथ छुड़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी. मकड़ी ने पहले ही उस का पंख पकड़ कर उसे नोच लिया था.

डर कर अब्बू ने भी अपना पंख झटक लिया. जैसे ही वह नीचे गिरा, मकड़ी ने झपट्टा मार कर उस का दूसरा पंख पकड़ लिया, लेकिन उस के ऐसा करने से पंख मकड़ी के हाथ में आ गया.

अब्बू लड़खड़ा कर लुढ़कता, फिसलता, कलाबाजियां खाता तेजी से नीचे गिर पड़ा. कुछ ही पलों में वह जमीन पर गिर गया. अच्छा था वहां घास थी, इसलिए उसे चोट नहीं लगी. जब वह उठा, तो तेज हवा थमने के बावजूद बारिश अभी भी जारी थी. उस ने राहत की सांस ली.

लेकिन इस से पहले कि वह कुछ और सोच पाता, उस ने एक फुफकार सुनी. पीछे मुड़ कर देखा तो एक छिपकली दिखी.

चार मोटे पैरों वाली जीभ लपलपाती एक विशालकाय छिपकली धीरेधीरे उस की ओर आ रही थी. वह किसी डायनासोर से कम नहीं लग रही थी.

घबरा कर अब्बू ने उड़ने की कोशिश की, लेकिन उस के तो पंख उखड़ गए थे. डरा अब्बू पैदल ही भागा. ऊंची झाड़ियों को धकेलता हुआ वह काफी तेज भागा. छिपकली भी उस के पीछेपीछे रेंगती हुई आ रही थी. एक बड़ा सा पत्थर देख कर अब्बू उस के पीछे छिप गया था.

छिपकली के आगे निकल जाने पर अब्बू ने राहत की सांस ली. इस पत्थर ने उस की जान बचाई थी. उस ने उसे छुआ, यह क्या था?

जैसे ही उस ने पत्थर को छुआ, दो बड़ीबड़ी आंखें बाहर निकल आईं और उसे घूरने लगीं.



‘‘लगता है, यह कोई कीड़ा है,’’ अब्बू घबरा गया.

‘‘हां, मैं कीड़ा हूं और मुझे तुम जैसे कीड़े बहुत पसंद हैं. तुम्हें देखते ही मेरा मुंह बन जाता है,’’ उस प्राणी ने अब्बू को अपनी कांटेदार टांगों से जकड़ते हुए कहा.

‘‘नहीं.’’ अब्बू ने अपनी आंखें कस कर बंद कर लीं. उसे मां की याद आ गईं. उसे दोस्त याद आ गए. उसे वह कार्टून याद आ गया, जिस में एक लड़का तितली बन कर मस्ती कर के लौटता है. कार्टून भले ही रोमांचकारी लगते हों, लेकिन असल जिंदगी में वे डरावने होते हैं.

अब्बू ने महसूस किया कि वह प्राणी उसे कस कर जकड़ रहा है.

‘‘काश, मैं घर वापस जा पाता,’’ अब्बू ने दोनों हाथों से अपना चेहरा ढक कर सिसकते हुए कहा.

‘‘चलो, तुम्हारी यह विश भी पूरी हुई,’’ अचानक टाइमर की आवाज आई.

अबू ने आंखें खोलीं तो देखा कि वह बिस्तर पर है.

‘‘अरे, मैं तो घर पर हूं,’’ अब्बू ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा.

‘‘तुम और कहां होते...स्कूल में?’’ उस की मां ने डांटा. ‘‘मैं तुम्हें बहुत देर से जगाने की कोशिश कर रही हूं. तुम स्कूल नहीं जा पाओगे, मैं तुम से कहती रहती हूं कि कार्टून कम देखो और जल्दी सो जाओ, लेकिन तुम सुनते ही नहीं.’’

मां हमेशा ऐसी बातें कहा करती थीं. अब्बू को तब बुरा लगता था, लेकिन आज उसे ये बातें अच्छी लगीं. उस ने एक महत्त्वपूर्ण बात सीखी कि हर किसी के जीवन में खुशियां और संघर्ष होते हैं. भले ही उड़ने और फूलों पर बैठने में आनंद आता है, लेकिन तूफानों में बह जाने या कीड़ों या छिपकलियों द्वारा शिकार किए जाने का खतरा भी है. ●



नन्ही कलम से



अयान मसीह, 10 वर्ष, पंजाब

अंग्रेजी मेरी पसंदीदा भाषा

अंग्रेजी, जोकि मेरी पसंदीदा भाषा है, एक ऐसा विषय है, जो इतना अच्छा है कि यह मुझे मंत्रमुग्ध कर देता है और चमकने देता है. कार्टून देखते समय, पात्र इतनी सहजता से बातचीत करते हैं कि मैं भी उन का अनुकरण करता हूं और सहजता से बातचीत करता हूं. नए शब्द सीखना, हर पंक्ति की नकल करना, मुझे विकसित करता है और मेरी वाक्शक्ति को मजबूत बनाता है. अंग्रेजी में मेरे मातापिता ने अपना पहला शब्द बोला, तब से कुछ भी उस भाषाई तार को नहीं तोड़ सका. मेरे दादाजी मुझे जुनून और जोश के साथ प्रेरित करते हैं, मेरी लेखन इच्छा खोजने में मेरी मदद करते हैं. मेरी अंग्रेजी तुम मेरे दृष्टिकोण से इतनी अच्छी तरह मेल खाती हो, तुम्हारे बिना मैं कोई किताब नहीं खोल सकता था.

कामाक्षी आलोक काले, 12 वर्ष, पुणे

शिक्षक

शिक्षक, हे शिक्षक, हम आप के छोटे प्राणी हैं आप हमारे गुणों और विशेषताओ में सुधार करते हैं, हमारा भविष्य बनाने में हमारी मदद करते हैं. आप हमें पढ़नालिखना सिखाते हैं, हमेशा कहते हैं कि हमें लड़ना नहीं है. मैं आप की चहचहाती चिड़िया हूं, हमेशा अपना हाथ मेरे सिर पर रखिए, मुझे आगे बढ़ने का सही रास्ता दिखाते रहिए.

स्निग्धा सिंह, 9 वर्ष, गुजरात



अर्नब यादव, 13 वर्ष, नई दिल्ली

हम ने सुझाव दिया, आप ने बना लिया



यह स्प्रिंग सरप्राइज है. इसे हमारी 10 वर्षीय पाठिका सान्वि शर्मा ने अप्रैल द्वितीय अंक, 2025 से सीख कर दिल्ली से बना कर हमें भेजा है.

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:

चंपक, दिल्ली प्रैस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई- 400031

writetochampak@delhipress.in 8657402248

www.facebook.com/ChampakMagazine

http://www.youtube.com/ChampakSciQ

हम आप की सामग्री लौटा नहीं सकते इसलिए हमें भेजी सामग्री की कापी अपने पास रखें.

दादाजी और विश्व शतरंज दिवस

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती




शुरुआत में रानी बहुत कमजोर मोहरा थी.
रानी? कमजोर? दादाजी, रानी खेल में सब से मजबूत मोहरा है. वह किसी भी दिशा में किसी भी वर्ग में जा सकती है.
हां, लेकिन पहले रानी बिशप की तरह केवल एक वर्ग तिरछा ही घूम सकती थी.
SONAL
बाद में स्पेन की रानी इसाबेला प्रथम ने नियम बदल दिए और रानी सब से शक्तिशाली मोहरा बन गई.
वह आश्चर्यजनक है.
क्या आप जानते हैं कि 1950 में क्लाउड शैनन नामक एक गणितज्ञ ने गणना की थी कि किसी खेल में पहली 40 चालें 10–120 अलगअलग तरीकों से चली जा सकती हैं?
और क्या आप ने कभी 4 लोगों द्वारा खेले गए शतरंज के बारे में सुना है?
शतरंज एकसाथ 4 लोग खेल सकते हैं?
हां, इस प्रकार के शतरंज का बोर्ड बड़ा होता है और 4 खिलाड़ी या तो अकेले या 2–2 की टीम में खेल सकते हैं.
क्या आप जानते हैं कि शतरंज दिमाग को तेज रखने और याददाश्त बेहतर बनाने में मदद करता है? इसीलिए इस के लाभों को देखते हुए, 20 जुलाई को विश्व शतरंज दिवस मनाया जाता है.
भैया, क्या आप अब भी शतरंज को बेकार खेल समझते हैं?
अरे नहीं, बिलकुल नहीं. असल में अब मैं खुद शतरंज खेलना चाहता हूं, चलिए, मैच शुरू करते हैं.
राहुल का उत्साह देख कर दादाजी मुसकराए.

पुराना पोस्ट औफिस

कहानी ● इंद्राणी नाग

आज रूप अपने मम्मीपापा के साथ नानाजी के घर पहुंचा. घर बहुत पुराना था, लेकिन सुंदर था. कुछ दूरी पर नदी थी. पास ही एक बड़ा मैदान और स्पोर्ट्स क्लब था.

रूप के मामा का सब से बड़ा बेटा रिशान, रूप से काफी मिलताजुलता था. रूप रिशान से छोटा था और 7वीं कक्षा में पढ़ता था. वह स्कूल में बौय स्काउट भी था, लेकिन रिशान 11वीं कक्षा में विज्ञान की पढ़ाई कर रहा था.

रूप रिशान भैया की बहुत प्रशंसा करता था, जो पढ़ाई के साथसाथ खेलकूद में भी अच्छे थे. वह दूर सौरमंडल तक पहुंचने का सपना देखते थे. रूप को रिशान पर गर्व था.

भैया हमेशा कहते थे, ''मुझे किसी भी भाषा में डर की स्पेलिंग मालूम नहीं.''

उस दिन रिशान भैया क्रिकेट का 'मैन औफ द मैच' प्राइज ले कर घर आए.





उस रात बाद में रिशान ने रूप को बताया कि मैच के बाद लंच के दौरान दूसरी टीम का कप्तान अचानक सब के सामने उन्हें बिना मतलब उल्टीसीधा बोलने लगा, ''क्या तुम्हें लगता है कि तुम बहुत स्मार्ट हीरो हो? एक रात उस पुराने पोस्ट औफिस में बिता कर तो दिखाओ, फिर मैं मान जाऊंगा कि तुम स्मार्ट हीरो हो. बालों वाले हाथ, लंबे नाखून, टिमटिमाती रोशनी...

'आज तक कोई भी पूरी रात वहां रहने में कामयाब नहीं हुआ, जो वहां गया तो वहीं बेहोश हो गया.

'एक बार बौक्सर रिकी गया था तो अंधेरे में किसी ने उसे छत से धक्का दे दिया, जिस से उस का हाथ टूट गया. शुक्र है कि वह बच गया.'

रिशान ने रूप से कहा, ''उस ने मुझे चुनौती दी और मैं ने उसे स्वीकार भी कर लिया. अब तो मुझे देखना है कि सच में उस जगह है क्या.''

''मैं भी आप के साथ चलूंगा,'' रूप ने जोर दे कर कहा.

''नहीं, नहीं, तुम बहुत छोटे हो. मैं अकेला ही जाऊंगा और सब को वीडियो बना कर दिखाऊंगा,'' रिशान बोला.

अगली सुबह रिशान रूप को अपनी बाइक पर घुमाने ले गया. नदी के किनारे, लोगों से भरा एक सुंदर पार्क था. धीरेधीरे पेड़ घने होते गए और लोग कम होते गए. एक सुनसान जगह पर बहुत पुरानी बिल्डिंग दिखाई दी. देखने से ही पता चल रहा था कि यहां कोई आताजाता नहीं होगा.

''रूप, हमें छत पर जाना है. सब कहते हैं कि असली रहस्य वहीं है. सावधानी से कदम रखना. बिल्डिंग काफी पुरानी है. लो, मेरा हाथ पकड़ो,'' रिशान बोला.

वे सावधानी से टौर्च की लाइट की मदद से छत पर



चढ़ गए. वहां पहुंच कर रिशान ने उस जगह का निरीक्षण किया और अपने बैग से मोटी लंबी रस्सी निकाली.

उस ने रस्सी को अच्छी तरह रूप की और अपनी कमर में बांध दिया और रस्सी का दूसरा सिरा छत पर लगी एक मजबूत कील से बांध दिया.

रूप को डर तो नहीं लगा, लेकिन उस का गला सूख गया. उस ने बैग से जैसे ही पानी की बोतल बाहर निकाली, तभी किसी चीज ने उसे धक्का दे दिया और बोतल उस के हाथ से फिसल गई.

रिशान ने उसे निकालने के लिए टौर्च औन की. जब उस ने ऐसा किया, तो रूप को लंबे नाखूनों और बालों वाले हाथ दिखाई दिए.

रिशान ने बोतल उठाई, जो अब लगभग खाली हो चुकी थी और पूछा, ''रूप, तुम्हें लगी तो नहीं?''

''नहीं, भैया.''

''तुम्हें डर तो नहीं लग रहा है न?''

रूप ने सिर हिला कर नहीं कहा. उसे थोड़ा डर जरूर लगा, लेकिन उस ने खुद को याद दिलाया कि डरना बुरी बात है और वह एक बौय स्काउट भी है. इस विचार के साथ ही डर दूर हो गया.

एक चिड़िया ने फिर पंख फड़फड़ाए. कहीं दूर कुत्ते भौंक रहे थे और लड़ रहे थे. रिशान ने रूप को तारे दिखाए और अपने सपनों के बारे में बताया.

‘‘क्या तुम्हें पता है कि अभी टाइम कितना हो रहा है, रूप? तीन बज चुके हैं, अब सुबह होने में ज्यादा देर नहीं है,’’ रिशान बोला.

हवा थोड़ी तेज हो गई थी. जैसे ही रिशान ने रूप को कंबल देने के लिए अपना बैग खोला, उसे छत पर कोई भारी चीज दौड़ती हुई दिखाई दी. रिशान ने टौर्च उस दिशा में घुमाई. रूप ने भी अपना सिर उस तरफ घुमाया तो रिशान के पीछे एक विशाल छाया देखी.

‘‘भैया, आप के पीछे,’’ रूप फुसफुसाया.

उस छाया ने रिशान को जोर से धक्का दिया, जिस से उस के हाथ से टौर्च गिर गई. उन के आसपास अजीब सी आवाजें आने लगीं. रिशान ने जल्दी से अपने मोबाइल की लाइट औन की और टौर्च ढूंढ़ने लगा.

फिर से दौड़ने की आवाजें आईं और छत पर एक अजीब सी रोशनी घूम रही थी.

टौर्च टूट गई थी, लेकिन फिर भी काम कर रही थी. अजीब रोशनी इधरउधर घूम रही थी. रिशान अभी भी ध्यान से देख रहा था. उस ने रूप से पूछा, ‘‘क्या तुम्हें कुछ समझ आ रहा है?’’

‘‘नहीं,’’ रूप ने उत्तर दिया.

‘‘चलो, हमारे मिशन का यह आखिरी पड़ाव है,’’ रिशान ने कहा.

तभी नदी के किनारे सूरज उगने लगा. दुनिया जागने लगी और अपना मिशन पूरा कर के वे दोनों बहादुर लड़के घर लौट आए.

जब वे घर पहुंचे, तो सभी लोग पुराने पोस्ट औफिस से परिचित थे. रिशान ने स्कूल में चुनौती से ले कर छत पर कंबल तक की पूरी कहानी सुनानी शुरू की.

‘‘हम ने जो कुछ भी देखा वह सब सच था, लेकिन वहां कोई भूत नहीं था. रात को छत पर एक बंदर रहता है,’’ रिशान ने बताया, ‘‘जब कोई उसे देखता



है, तो वह डर जाता है और हर किसी को धक्का देता है. जब मैं ने अपना बैग खोला, तो एक विशाल लंगूर ने बिस्किट का पैकेट चुरा लिया.

''तभी मुझे अहसास हुआ कि बालों वाले हाथ और लंबे नाखून बंदर के थे और वह रहस्यमयी रोशनी बिल्डिंग से नहीं आ रही थी, बल्कि वह कहीं दूर से आ रही एक रिफ्लेक्शन थी.''

रिशान ने आगे बताया, ''हम रोशनी का पीछा करते हुए एक घर में पहुंचे. एक आधे शेव के चेहरे वाले व्यक्ति ने दरवाजा खोला.

''बातचीत में उस ने हमें बताया कि वह हर दिन इसी समय शेव करता है ताकि काम पर जाने के लिए पहली ट्रेन पकड़ सके.

''वह अपनी तीसरी मंजिल की खिड़की खोलता है और शेव करने के लिए शीशे का इस्तेमाल करता है, जिस से रिफ्लेक्ट हो कर रोशनी पोस्ट औफिस की बिल्डिंग पर आती है.''

सभी ने तालियां बजाईं. नानाजी ने उन दोनों को गले लगाया और कहा, ''मुझे अपने दोनों पोतों पर गर्व है.''

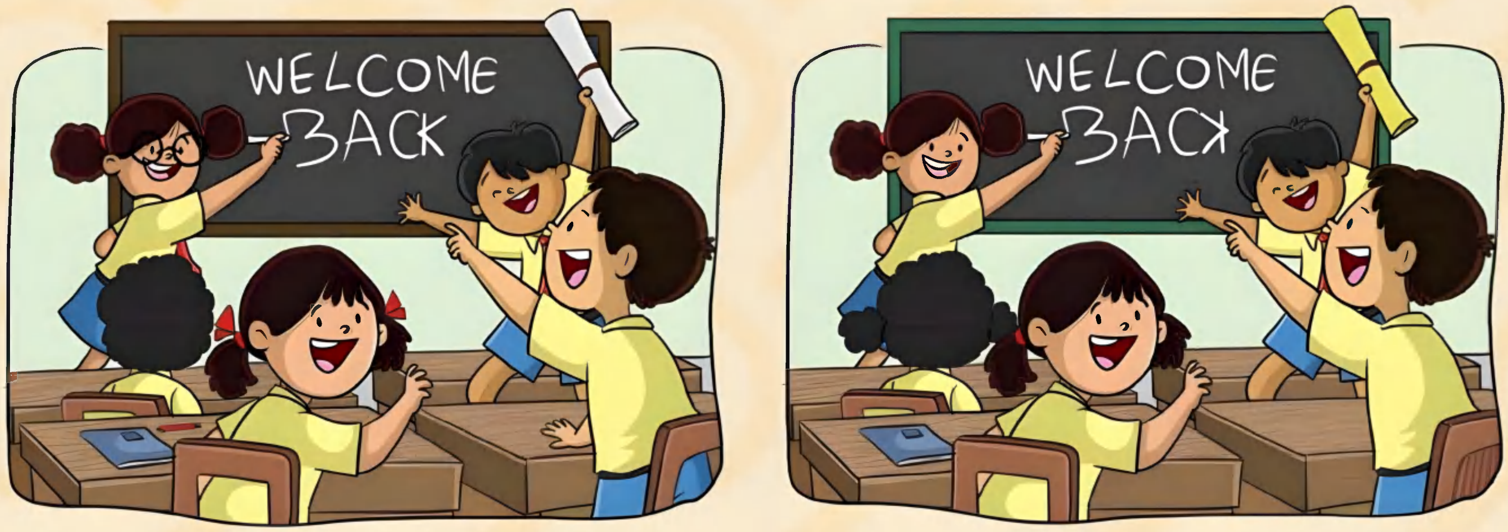
इस के बाद रिशान और रूप अपनी बहादुरी और महानता के लिए शहर में प्रसिद्ध हो गए. रूप को अब थोड़ा कम डर महसूस होने लगा, साथ ही उसे लगा कि वह भी एक दिन दूर सौरमंडल तक पहुंच सकता है. ●



SONALI BASU ROUTH

अंतर बताओ

यहां 10 गलतियां हैं. आप उन गलतियों को ढूंढ़ कर बताएं.





हमारी और उन की याददाश्त

सूअर स्मार्ट और सामाजिक जानवर हैं, जो भारत और दुनिया के कई हिस्सों में पाए जाते हैं. उन्हें अकसर आलसी या गंदा समझा जाता है, जबकि सूअर वास्तव में स्वच्छ, जिज्ञासु और आश्चर्य से भरे होते हैं. वे कीचड़ में इसलिए नहीं लोटते कि वे गंदे होते हैं, बल्कि इसलिए लोटते हैं कि वे ठंडा हो सकें और अपनी त्वचा को धूप से बचा सकें. इतना ही नहीं, वे हमेशा गुलाबी कलर के नहीं होते. सूअर कई रंगों के होते हैं, जिन में काला, भूरा और धब्बेदार शामिल हैं.

सूअर बहुत से मामलों में इंसानों से मिलतेजुलते हैं. ये चतुर जानवर पहेलियां सुलझा सकते हैं, अनुभव से सीख सकते हैं और चीजों को लंबे समय तक याद रख सकते हैं. मानो या न मानो, कुछ सूअरों को तो अपने थूथन का इस्तेमाल कर के सरल वीडियो गेम खेलने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया है.

सूअर समूहों में रहते हैं और घुरघुराहट, चीखने और अन्य ध्वनियों और शारीरिक भाषा के माध्यम से संवाद करते हैं. मादा सूअर अपने बच्चों को दूध पिलाते समय धीरे से गुनगुनाती है, सूअर के बच्चे जल्दी ही उस की आवाज पहचानना सीख जाते हैं. वे भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं और तनाव, डर को महसूस करने में सक्षम होते हैं तथा एकदूसरे को सांत्वना भी देते हैं.

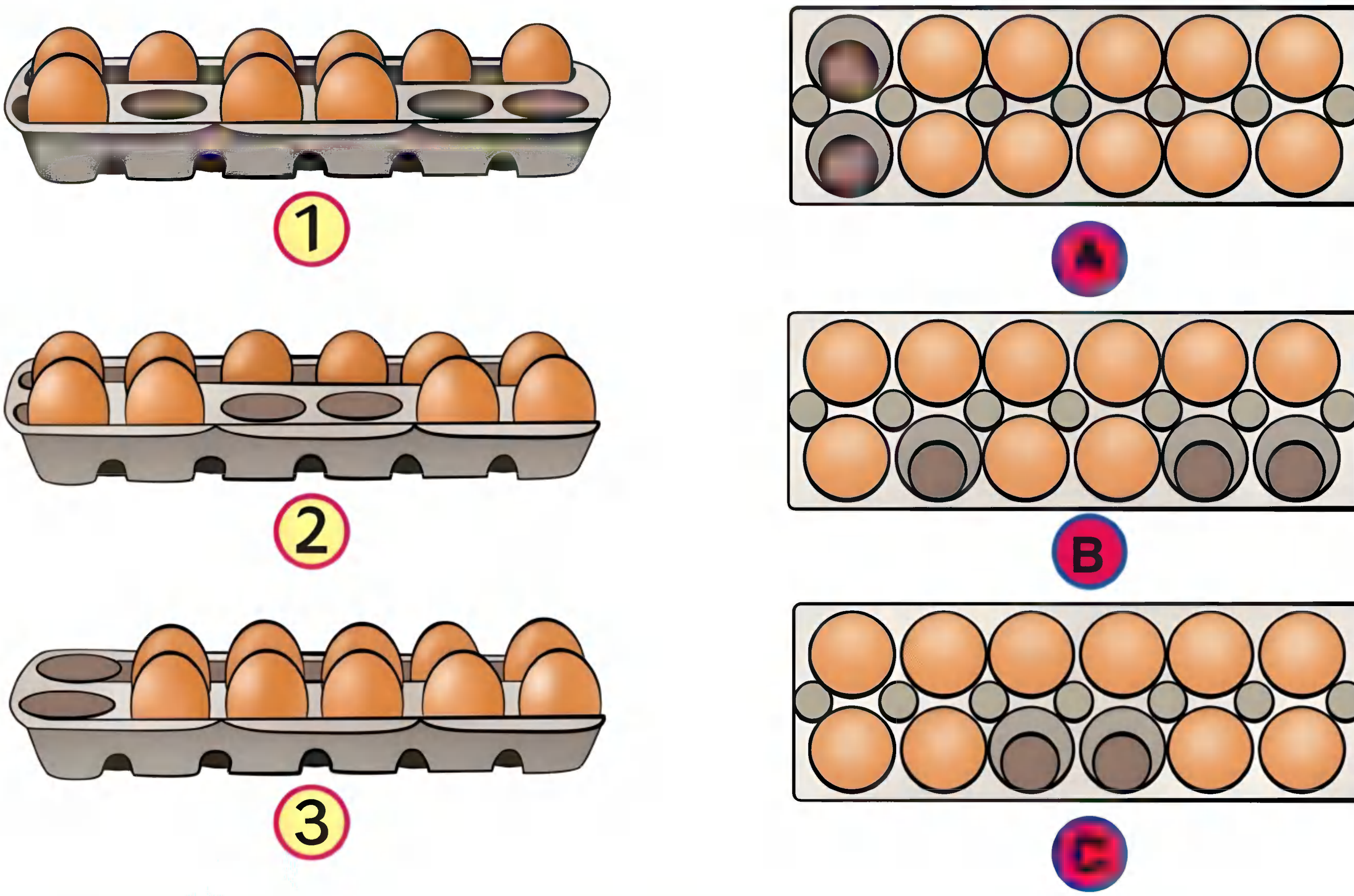
जंगली सूअर बहुत अच्छे खोजकर्ता होते हैं. वे रास्तों और स्थलों को याद रखते हैं, जिस से उन्हें भोजन की तलाश में जंगलों में जाने में मदद मिलती है. उन के शक्तिशाली थूथन अंतर्निर्मित फावड़े की तरह काम करते हैं, जो जमीन के नीचे छिपे खाद्य पदार्थों को सूंघने के लिए उपयुक्त होते हैं.

सूअरों की सूंघने की शक्ति कुत्ते से भी बेहतर होती है.



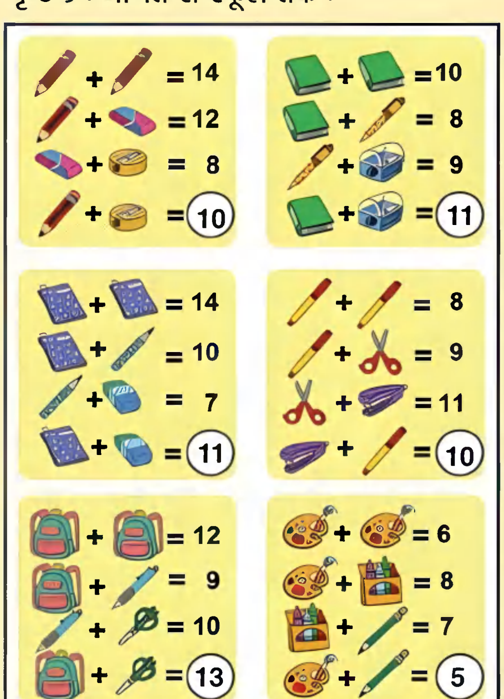
एग इट अप!

नीचे दी गई ट्रे में रखे अंडों को देखें और उन का मिलान उस ट्रे के साथ करें, जिन में समान संख्या में अंडे समान स्थानों पर हैं.



उत्तर पृष्ठ :

पृष्ठ 9 : गणित से स्कूल तक :



पृष्ठ 23 : छिपे चित्र ढूंढ़ें :



पृष्ठ 50 : एग इट अप :

1. B
2. C
3. A

किराने की दुकान

जतिन और निकिता सुपर मार्केट से किराने का सामान खरीद रहे हैं. क्या आप सही शौपिंग कार्ट से सूचियों का मिलान करने में उन की मदद कर सकते हैं?

सूची 1:
- ब्रेड
- दूध
- अंडे
- पनीर
- खीरा
- टमाटर

सूची 2:
- केले
- टमाटर
- तरबूज
- अनानास
- नूडल्स

सूची 3:
- सेब
- टोंमैटो सौस
- पत्ता गोभी
- खीरा
- तरबूज
- आलू

सूची 4:
- मूली
- पालक
- ब्रोकली
- टमाटर













उत्तर : सूची 1– F, सूची 2– D, सूची 3– A, सूची 4– C.

DL (DS)-15/MP/2025-27, (REGISTERED) RNI 16420/1968 DL(C)-14/1093/2024-26 P.O. SRT Nagar, ND-55 Posting Dt. 22 to 28 Published on 12/07/2025. Pgs. 52.